



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



आंसुओं में तैरता रहा आशियाने का मलबा



रायपुर। नकटी उजड़ गया। प्रशासन ने विधायक विश्राम गृह के लिए गांव के 77 मकानों पर बुलडोजर चला दिया। विरोध, संघर्ष और आंसुओं के सलाब के बीच बुलडोजर गरजता रहा। तस्वीरें बयां कर रही हैं कि रोती महिलाएं और चीखते बच्चों की आवाज नहीं सुनी गई। आखिरकार प्रशासन ने मान मनावल कर गांव को खाली करा ही लिया और ग्रामीणों को बीएसयूपी क्वार्टर में शिफ्ट कर दिया।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेड (75.00%)	₹105540/-
22 कैरेट रेड (91.60%)	₹128900/-
24 कैरेट रेड (99.99%)	₹140706/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

खड़गे राज्यसभा में फिर होंगे नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली।



राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने शपथ दिलाई। वे फिर से नेता प्रतिपक्ष होंगे।

इस मौके पर राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश, जे पी नड्डा, किरेन रीजीजू, सोनिया गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड़ा की मौजूदगी रही।

किसान परिवार को मिला 11.19 कैरेट का हीरा

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में एक आदिवासी किसान परिवार को एक खदान से सोमवार को 11.19 कैरेट का एक हीरा मिला। हीरे की अनुमानित कीमत करीब 30 लाख रुपए आंकी गई है। इसी परिवार को वर्ष 2024 में 19.22 कैरेट का एक बड़ा हीरा मिला था, जो शासकीय नीलामी में 93 लाख रुपए में बिका था। मजदूर राकेश गौड़ ने इसी वर्ष अप्रैल में अहिरावां क्षेत्र में पट्टा लेकर अपने तीन भाइयों और कुछ रिश्तेदारों के साथ मिलकर खदान में खुदाई शुरू की थी।

प्रशिक्षण विमान कैश प्रशिक्षु पायलट घायल एटा/कासगंज।

उत्तर प्रदेश के कासगंज में सोमवार को दो सीट वाला एक प्रशिक्षण विमान एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में एक महिला प्रशिक्षु पायलट घायल हो गई।

अलीगढ़ हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाला यह विमान कासगंज जिला मुख्यालय क्षेत्र में पुलिस लाइंस के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जमीन पर गिरने से पहले विमान एक हाई-टेशन तार से टकरा गया था।

विहिप के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा- हमें दुख है, कष्ट है, हम आहत हुए हैं

राम मंदिर के दोषी जेल में होंगे, न वजीर बचेगा, न राजा : विहिप अध्यक्ष आलोक

हरिभूमि न्यूज़ ►► रायपुर

अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट में वित्तीय अनियमितताओं और दान में हेराफेरी के आरोपों के बाद मंच घमासान के बीच, विश्व हिंदू परिषद के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने बड़ा और बेबाक बयान दिया। हरिभूमि और आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी के साथ सीधे साक्षात्कार में आलोक कुमार ने दो टूक कहा कि संगठन इस मामले में किसी भी स्तर की लीपापोती के पक्ष में नहीं है। चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे की टाईमिंग से लेकर एफआईआर में सिर्फ 'निचले स्तर के कर्मचारियों' के नाम होने जैसे गंभीर सवाल पर उन्होंने दो-टूक कहा कि जांच का दायरा बेहद व्यापक है। जो दोषी पाया जाएगा उसे दंड मिलेगा। इसमें न वजीर बचेगा, न राजा। उन्होंने कहा सबसे आचरण की जांच होगी। जो भी दोषी होगा उसे जेल की कोठरी में जाना होगा। पेश है साक्षात्कार के प्रमुख अंश:



►► इस पूरे प्रकरण पर आपकी पहली प्रतिक्रिया? जिस आंदोलन में हजारों राम भक्तों ने आपके आह्वान पर कुर्बानियां दी थीं, अपना पसीना बहाया था, अपना लहू बहाया था, वो राम मंदिर इस समय विवादों के केंद्र में है। एक राम भक्त के नाते और विश्व हिंदू परिषद के अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष के नाते, किस अनुभूति से गुजर रहे हैं इस समय आप?

►► हम सब लोगों की अनुभूति एक सी ही है। दुख है, कष्ट है, ►► शेष पेज 6 पर

कृष्ण जन्मभूमि -काशी आंदोलन पर पड़ने वाले असर पर भी दिया जवाब

दान चोरी के आरोपियों की पैरवी नहीं करेंगे अधिवक्ता

हरिभूमि न्यूज़ ►► अयोध्या

अयोध्या में अधिवक्ताओं ने सोमवार को राम मंदिर में दान के कथित गबन मामले में गिरफ्तार आरोपियों की अदालत में पैरवी नहीं करने का फैसला किया है। अधिवक्ताओं ने तय किया कि अगर उसका कोई सदस्य राम मंदिर मामले के आरोपियों का मामला अदालत में लड़ने की कोशिश करता है, तो उस पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

पेट्रोल-डीजल पर बड़ी राहत कल से हटेगी अस्थायी पाबंदी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल की बिक्री और वितरण पर लगाई गई अस्थायी पाबंदियां वापस लेने का फैसला किया है। यह फैसला 1 जुलाई 2026 से लागू होगा। सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के दौरान ईंधन की काला बाजारी रोकने के लिए 12 जून को अस्थायी नियम लागू किए थे।



14 दिन की न्यायिक हिरासत

अयोध्या के राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों को सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश किया गया। इस सुनवाई के बाद अदालत ने सभी आरोपियों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। अब इस मामले में सभी आरोपियों की अगली पेशी 13 जुलाई को होगी।

भावनाएं हुई आहत

बार एसोसिएशन के सचिव शैलेंद्र जायसवाल ने कहा, मंदिर के चढ़ावे की चोरी से हम सभी की भावनाएं आहत हुई हैं। फैजलाबद के अधिवक्ता गिरफ्तार आरोपियों की ओर से मुकदमा नहीं लड़ने पर सहमत हो गए हैं। इस मामले में बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और बार की आम सभा ने फैसला लिया है।

कुख्यात डकैत जगन को साथी ने जेल में मार डाला

आगरा। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के धोलपुर महल को गुर्जर आरक्षण के समय उड़ाने की धमकी देने वाले पूर्व कुख्यात दस्यु जगन गुर्जर की अजमेर हाई सिक्वोरिटी जेल में साथी कैदी द्वारा गला दबाकर हत्या कर दी गई है।

विधायक को दी थी जान से मारने की धमकी: वर्ष 2022 में बाड़ी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी विधायक गिरांज मलिनका को धमकी देने के बाद जगन गुर्जर फिर से सुर्खियों में आ गया।

पुण्यस्मृतिपर विनम्र अभिवादन



कै. वैद्यराज श्री. कृष्णशास्त्री पुराणिक (१८२९-१९०५) कै. वैद्यराज श्री. विष्णुशास्त्री पुराणिक (१८६४-१९१९) कै. वैद्यराज श्री. रामभाऊ पुराणिक (१८८३-१९३३) कै. वैद्यराज श्रीमंत गंगाधर पुराणिक (१९०४-१९८०) कै. वैद्यराज श्री. महादेव पुराणिक (१९१२-१९८४) कै. वैद्यराज श्री. आनंद पुराणिक (१९३४-२०२३)



आयुर्वेद श्रेष्ठता के १५० से अधिक वर्ष

पूरा ब्रह्मांड सिद्धांतों पर चलता है। प्रकृति उनका पालन करती है और विज्ञान उनका अनुसरण। आयुर्वेद भी उन्हीं पर आधारित है। हजारों वर्षों से इसके सिद्धांतों का निरंतर अभ्यास हुआ, उन्हें परखा गया और परंपरा स्वरूप उन्हें आगे बढ़ाया गया।

केवल आस्था नहीं, बल्कि प्रमाण के रूप में। वह प्रमाण है सटीकता का, प्रमाण है संतुलन का।

वह प्रमाण कि जब उपचार प्रकृति के अनुरूप होता है, तब स्वास्थ्य उसका स्वाभाविक परिणाम बन जाता है।

सिद्धांत नियम हैं। वे स्वस्थ जीवन की सही दिशा हैं। और जब इन नियमों का पूर्णतः पालन किया जाता है, तब एक अद्भुत परिवर्तन दिखाई देता है – पुनर्स्थापना। जो शरीर के साथ मिलकर कार्य करती है, उसके विरुद्ध नहीं। जो संतुलन को पुनः स्थापित करती है।

विगत १५० से अधिक वर्षों से हम इन सिद्धांतों को गहराई से समझते आए हैं और पूरी निष्ठा के साथ उनका पालन कर रहे हैं। क्योंकि आयुर्वेद अनुमान पर नहीं चलता। इसका आरंभ सही निरीक्षण से होता है। वह उचित अनुशासन से आगे बढ़ता है और अंततः संतुलन के माध्यम से फल देता है।

प्रकृति की तरह उसका स्वरूप बदल सकता है, लेकिन उसके सिद्धांत नहीं। क्योंकि जिस क्षण सिद्धांत बदलते हैं, वह आयुर्वेद नहीं रहता।

आयुर्वेद तभी आयुर्वेद है, जब वह सैद्धांतिक हो।



NBA एवं NAAC मान्यता के साथ प्लेसमेंट में भी सिरमौर बनकर उभरा-चौकसे

क्वालिटी एजुकेशन, एक्सपीरियेंस फैकल्टी और बेहतरीन प्लेसमेंट जैसे कई मानकों के साथ चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज, बिलासपुर ने इंजीनियरिंग शिक्षा के क्षेत्र में अपना अलग मकाम गढ़ा है। इन्हीं मानकों को देखते हुए नेशनल बोर्ड ऑफ एकीडेशन के द्वारा एनबीए की मान्यता दी गई है। इसके साथ ही चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज को नेशनल एसेसेमेंट एण्ड एकीडेशन काउंसिल (नैक) के द्वारा B++ ग्रेड



दिया गया है। ज्ञात हो कि चौकसे नैक एवं एनबीए की मान्यता हासिल करने वाला बिलासपुर का एकमात्र निजी इंजीनियरिंग कॉलेज है। हाल ही में कैरियर 360 पत्रिका द्वारा किए एक मूल्यांकन में चौकसे इंजीनियरिंग को AAA ग्रेड के साथ राज्य के श्रेष्ठ इंजीनियरिंग कॉलेजों की श्रेणी में रखा गया है। ये सारे मूल्यांकन चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज के क्वालिटी स्टैंडर्ड को बताते हैं, जिनके कारण यह हमेशा से विद्यार्थियों की पहली पसंद रहा है।

इंजीनियरिंग

बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के साथ हमारे देश में अद्यतन तकनीकी शिक्षा प्राप्त इंजीनियरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। हालियां आंकड़े बताते हैं कि पिछले एक साल में ही इंजीनियरों की मांग डेढ़ गुना बढ़ गई है। जहाँ साफ्टवेयर इंडस्ट्री में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा साइंस और मशीन लर्निंग के इंजीनियर्स की डिमांड में भारी इजाफा हुआ है। वहीं दूसरी ओर इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कोर ब्रांचेस जैसे मैकेनिकल, सिविल, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स में भी लंबे समय के बाद अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। आटोमोबाइल इंडस्ट्री का आकार पिछले कुछ सालों में दोगुना हो चुका है। इसके साथ ही देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों ने पावर सेक्टर में नए अवसरों को पैदा किया है। इन अवसरों ने कोर ब्रांच जैसे मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और सिविल के इंजीनियर के लिए नए जाब्स पैदा किए हैं। हाल ही

में आई खबर के अनुसार अग्रणी फोन निर्माता कंपनी एप्पल ने अपना नया प्लांट भारत में लगाने का फैसला किया है, इसके साथ यह जानना भी रोचक होगा कि प्रधानमंत्री ने भारत को सेमीकंडक्टर चिप निर्माण में अग्रणी देश बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए हैं। इन प्रयासों से इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड टेली कम्यूनिकेशन इंजीनियर्स की मांग बढ़ रही है। विगत कुछ समय में विकास की यह यात्रा मेट्रो सिटीज से निकलकर छोटे-मझोले शहरों में आ गई है। इसी क्रम में यह उल्लेखनीय होगा कि नवा रायपुर में विशाल एआई डेटा सेंटर का निर्माण प्रारंभ हो चुका है। इससे छत्तीसगढ़ के कम्यूटर एवं एआई प्रोफेशनल्स को अपने ही राज्य में रोजगार के वो अवसर प्राप्त होंगे जिसके लिए पहले बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था।



चौकसे ग्रुप के अंतर्गत चौकसे कॉलेज ऑफ साइंस एंड कॉमर्स में वर्ष 2024 से शुरू किए गए लॉ के प्रोफेशनल डिग्री कोर्सेस — BA LLB, B.Com LLB, और LLB में कॉलेज ने अल्प समय में ही उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित कर लिए हैं। शिक्षा की गुणवत्ता, अनुभवी संकाय, व्यावहारिक प्रशिक्षण और न्यायिक क्षेत्र की गहन समझ ने इन पाठ्यक्रमों को छात्रों की पहली पसंद बना दिया है। संस्थान में कानून की पढ़ाई को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि छात्रों को मूट कोर्ट, कोर्ट विजिट्स, कानूनी शोध, एवं व्यावसायिक कार्यशालाओं के माध्यम से वास्तविक कानूनी परिदृश्य से भी जोड़ा जा रहा है। इन सब के साथ साथ विद्यार्थियों के लिए कानूनी साक्षरता शिविर, कंज्यूमर फोरम, न्यायालय के शैक्षणिक भ्रमण, न्यायाधीशों, विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान समय समय पर आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक चुनौतियों के लिए भी तैयार हो रहे हैं। साल 2024 से शुरू हुए इन कोर्सेस को छात्रों और अभिभावकों से जबरदस्त सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। प्रबंधन का यह प्रयास है कि आने वाले वर्षों में कॉलेज राष्ट्रीय स्तर पर कानून शिक्षा में अग्रणी स्थान बनाए और छात्रों को न्यायपालिका, वकालत, कॉर्पोरेट लॉ और सरकारी सेवाओं के लिए पूरी तरह तैयार किया जा सके।

माध्यम से वास्तविक कानूनी परिदृश्य से भी जोड़ा जा रहा है। इन सब के साथ साथ विद्यार्थियों के लिए कानूनी साक्षरता शिविर, कंज्यूमर फोरम, न्यायालय के शैक्षणिक भ्रमण, न्यायाधीशों, विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान समय समय पर आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक चुनौतियों के लिए भी तैयार हो रहे हैं। साल 2024 से शुरू हुए इन कोर्सेस को छात्रों और अभिभावकों से जबरदस्त सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। प्रबंधन का यह प्रयास है कि आने वाले वर्षों में कॉलेज राष्ट्रीय स्तर पर कानून शिक्षा में अग्रणी स्थान बनाए और छात्रों को न्यायपालिका, वकालत, कॉर्पोरेट लॉ और सरकारी सेवाओं के लिए पूरी तरह तैयार किया जा सके।

फॉर्मैसी



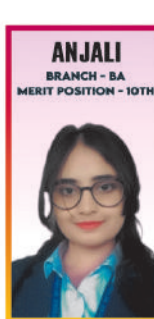
फॉर्मैसी शिक्षा के क्षेत्र में चौकसे ग्रुप हमेशा से एक जाना-माना नाम रहा है। 2004 में स्थापित स्कूल ऑफ फार्मैसी, चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ शुरू हुआ यह सफर आज दो और कॉलेज चौकसे कॉलेज ऑफ फार्मैसी (CCP) तथा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटीकल स्टडीज (IPS) तक आ पहुंचा है। इन फार्मैसी कॉलेजों में दवाओं के परीक्षण हेतु एनिमल हाउस, निर्माण हेतु सभी जरूरी मशीनें, अत्याधुनिक लैब, अनुभवी अध्यापकगण तथा अंचल में सबसे अच्छा प्लेसमेंट है। हमारे यहा डिप्लोमा इन फॉर्मैसी, बैचलर ऑफ फॉर्मैसी, मास्टर ऑफ फॉर्मैसी तथा पी.एच.डी. तक के कोर्स उपलब्ध हैं। ज्ञात हो कि हमारा फार्मैसी कॉलेज बिलासपुर का इकलौता संस्थान है जिसे भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च (डी एस आई आर) का अप्रुवल प्राप्त है। इससे संस्थान में दवा उद्योग से जुड़े शोध किए जाते हैं। यह अप्रुवल संस्थान की गुणवत्ता और शोध हेतु सुविधाओं के आधार पर दिया जाता है। संस्थान में नाइपर और जी पीट परीक्षाओं हेतु विशेष कक्षाओं का आयोजन किया जाता है।

परम्परागत डिग्री कोर्सेस हुए प्रोफेशनल

25 वर्षों से तकनीकी एवं प्रोफेशनल शिक्षा में अग्रणी चौकसे ग्रुप ने परम्परागत डिग्री कोर्सेस जैसे बी.ए., बी.काम., बी.एस.सी. आदि को भी आधुनिक एवं प्रोफेशनल बनाने में सफलता पाई है। ग्रुप के तहत संचालित चौकसे कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड कामर्स ने इन परम्परागत कोर्सेस के विद्यार्थियों को ना केवल प्रोफेशनल वातावरण दिया है, साथ ही इन्हें कैम्पस प्लेसमेंट के जरिए जाब दिलाकर नए कीर्तिमान बनाए हैं। संस्था के विद्यार्थियों को क्वालिटी एजुकेशन, आधुनिक लैब, एजुकेशनल टूर, गेस्ट लेक्चर्स, वर्कशाप, स्पोर्ट्स कोचिंग, एनएसएस, एनसीसी, नेशनल कल्चरल एवं टेक्निकल फेस्ट इत्यादि सुविधाएं दी जाती हैं सीसीएससी के छात्रों ने विश्वविद्यालय पर प्रावीण्य सूची में स्थान बनाते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया है। सीसीएससी पिछले 4 सालों से विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ परिणाम देने में अव्वल रहा है।

UNIVERSITY TOPPERS BATCH 2024

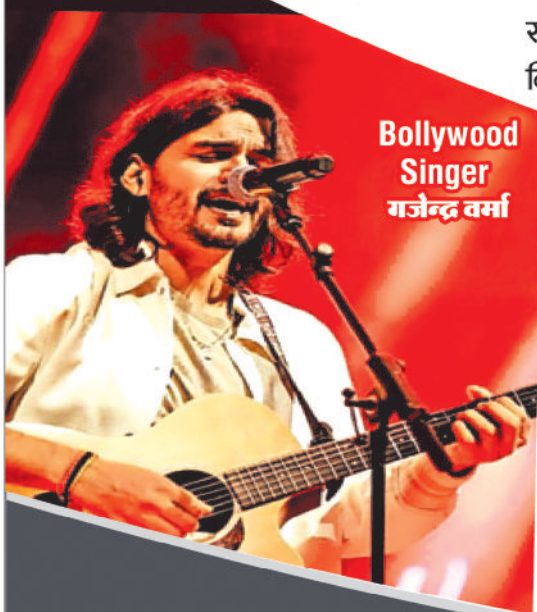
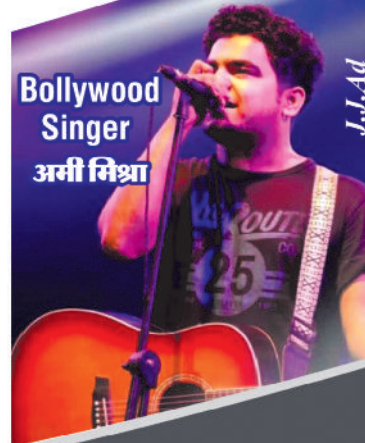
Your DREAM Today, Your SUCCESS Tomorrow.



मैनेजमेंट

चौकसे इंजीनियरिंग कॉलेज का डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट इयूअल स्पेशलाइजेशन के साथ एम.बी.ए. उपलब्ध कराता है। योग्य विद्यार्थियों के लिए शत प्रतिशत प्लेमेंट, अनुभवी शिक्षक, हैंडस ऑन प्रैक्टिकल एक्सपीरियंस एजुकेशनल, NAAC की मान्यता होने के कारण यह बिलासपुर के सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन विभाग की पहचान बन चुका है। यहाँ मार्केटिंग, फायनेंस, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, प्रोडक्शन एण्ड ऑपरेशनस सिस्टम में इयूअल स्पेशलाइजेशन की सुविधा है।

सेलिब्रिटीज @ चौकसे



चौकसे ग्रुप ऑफ कॉलेजेस

नेशनल हाइवे 49, लालखदान मस्टूरी रोड बिलासपुर (छ.ग.) फोन : 97524-10899, 96850-45009
Website : www.cecbilasapur.ac.in, @chouksey_group

SCAN ME



हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, मंगलवार 30 जून 2026



CHOUKSEY GROUP OF COLLEGES

An ISO 9001:2015 Certified Institute



— YEARS OF EXCELLENCE —

25 Years of
**TRUST, EXCELLENCE &
TRANSFORMATION**



NAAC ACCREDITED



NBA ACCREDITED



DSIR GOVT OF INDIA APPROVED



HIGHEST ADMISSIONS
IN THE BILASPUR REGION



RANKED **#87** AND **#90** AMONG ALL ARTS AND
SCIENCE COLLEGES **RESPECTIVELY IN INDIA.** **THEWEEK**



AWARDED **AAA** GRADE FOR
ENGINEERING BY **CAREERS360**
THE COMPLETE CAREER MAGAZINE

**PLACEMENT
HIGHLIGHTS**

653+
Job Offers

110+
Companies
(In Last 2 Years)

12 LPA
Highest Package

5 LPA
Average Package

ADMISSION OPEN 2026-27

Shape Your Future With Chouksey

CHOUKSEY ENGINEERING COLLEGE

B.TECH

- Computer Science & Engg.
- Civil Engg. | Mechanical Engg.
- AI & Machine Learning
- AI & Data Science
- Electronics & Telecommunication Engg.
- Electrical & Electronics Engg.

M.TECH

- Computer Science & Engg.
- Production Engg.
- Digital Electronics
- Structural Engg.

PH.D CSE

MBA Dual Specialization

CHOUKSEY COLLEGE OF AYURVED RESEARCH CENTRE & HOSPITAL

BAMS

CHOUKSEY COLLEGE OF SCIENCE & COMMERCE

- LLB
- BA LLB
- B.Com LLB
- LLM
- BBA (Hons.)
- BCA (Hons.)
- B.Sc (Bio, Bio-Tech) (Hons.)
- B.Com (Hons.)
- B.A (Hons.)
- M.Sc. (Botany, Zoology)
- PGDCA
- Ph.D (Botany)

PHARMACY @ CHOUKSEY

- D.Pharmacy
- B.Pharmacy
- B.Pharmacy (Lateral)
- M.Pharmacy (Ceutics, Cognosy)
- M.Pharmacy (Cology, Chemistry)
- Ph.D



PRODUCTS MADE BY SCIENCE STUDENTS
A STEP TOWARDS ENTREPRENEURSHIP

AWARDED FOR EXCELLENCE



SARDAR PATEL UNITY AWARD 2025

Honored as the
"Best Private Group of Colleges with
Excellent Placement Record in
Engineering & Pharmacy"



SCAN QR CODE
FOR ONLINE
REGISTRATION



SCHOLARSHIP



PLACEMENT



TRANSPORT FACILITY



SEPARATE HOSTEL FOR BOYS AND GIRLS

FOR ADMISSION CALL **82182-38282, 96850-45009**

www.cebilaspur.ac.in

Lal Khadan, Masturi Road, NH-49, Bilaspur [C.G.]

चिंतन

छात्रों पर नहीं हो बेवजह का दबाव

आज के प्रतियोगी जमाने में छात्रों पर अनावश्यक दबाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में ज्ञान बढ़ाने के लिए तो अतिरिक्त भाषा ठीक है, लेकिन इसे बेवजह दबाव के रूप में लिया जाना किसी भी रूप में ठीक नहीं होगा। एक तरह से देखा जाए तो त्रिभाषा को लेकर सरकार का फैसला ठीक है। इससे बच्चों पर दबाव कम होगा और छात्र अपनी मर्जी के मुताबिक तीसरी भाषा को चुन पाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत सीबीएसई द्वारा तीन-भाषा नीति को लेकर जारी नई गाइडलाइन ने लाखों छात्रों और अभिभावकों को बड़ी राहत दी है। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि वर्तमान 10वीं के छात्रों के साथ-साथ अभी 7वीं, 8वीं और 9वीं में पढ़ रहे विद्यार्थियों को 10वीं बोर्ड में तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। हालांकि सीबीएसई ने यह भी स्पष्ट किया है कि 2026-27 में कक्षा छह में प्रवेश लेने वाले नए बच्चों पर तीन-भाषा नीति पूरी तरह लागू होगी। यह निर्णय इसलिए उचित माना जा सकता है, क्योंकि इन छात्रों के पास नई व्यवस्था के अनुसार पढ़ने के लिए पर्याप्त समय होगा। साथ ही स्कूल स्तर पर तीसरी भाषा के मूल्यांकन और आवश्यक छूट का प्रावधान यह संकेत देता है कि बोर्ड चरणबद्ध तरीके से बदलाव लागू करना चाहता है। शिक्षा सुधार में यही संतुलन सबसे अधिक आवश्यक होता है। यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि शिक्षा सुधार का उद्देश्य छात्रों की क्षमता को बढ़ाना होना चाहिए, न कि उन पर ऐसा अतिरिक्त बोझ डालना, जिससे पढ़ाई तनाव का कारण बन जाए। आज का छात्र पहले ही कई मोर्चों पर दबाव झेल रहा है। बोर्ड परीक्षाएं, जेईई, नीट, सीयूईटी और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, कोचिंग का बढ़ता चलन और करियर की अनिश्चितता उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे समय में यदि अचानक नई भाषा को बोर्ड परीक्षा के साथ जोड़ दिया जाता, तो यह लाखों छात्रों के लिए अतिरिक्त तनाव का कारण बन सकता है। इसलिए सीबीएसई ने संक्रमण काल के छात्रों को राहत देकर व्यावहारिक और संवेदनशील निर्णय लिया है। अब सरकार को जेन जी विशेषकर स्कूली छात्रों पर फोकस करने की जरूरत है, क्योंकि यह वर्ग हर मामले में सरकार से 100 प्रतिशत डिलीवरी की उम्मीद करता है। कम्प्यूटर युग में पैदा हुए इस वर्ग को तकनीक से भी कोई दिक्कत नहीं है और इसे अपनाने के लिए वह हमेशा से तैयार है। सरकार को भी चाहिए कि वह परीक्षाओं में तकनीक का अधिक से अधिक प्रयोग करे और परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखे। इसमें तकनीक का अहम योगदान हो सकता है और आज का युवा इससे डरता भी नहीं है। सरकार को यह भी समझना होगा कि आज का छात्र केवल डिग्री नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, निष्पक्ष परीक्षा और स्पष्ट करियर अवसर चाहता है। यदि नई शिक्षा नीति इन तीनों अपेक्षाओं को पूरा करती है, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य सफल माना जाएगा। शिक्षा में सुधार का अर्थ केवल पाठ्यक्रम बदलना नहीं, बल्कि छात्रों के आत्मविश्वास और सीखने की क्षमता को भी हर तरह से मजबूत करना होता है। भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं होती, बल्कि संस्कृति और पहचान का आधार भी मानी जाती है। इसलिए भाषा नीति को किसी भी बोझ के बजाय अवसर के रूप में लागू किया जाना चाहिए। यदि सरकार और शिक्षा बोर्ड पर्याप्त संसाधनों, प्रशिक्षित शिक्षकों और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के साथ इस नीति को आगे बढ़ाते हैं, तो यह भारतीय भाषाओं को मजबूत करने के साथ-साथ छात्रों के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

विचार

-डॉ. अशोक कुमार जायसवाल



पंचायतीराज संस्थाओं का ई-गवर्नेंस युग

महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज की अवधारणा का साकार स्वरूप आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय की स्थापना के माध्यम से समाज के अंतिम पक्ति पर बैठे हुए व्यक्ति को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने एवं योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाने एवं समाज के अंतिम पक्ति पर बैठे व्यक्ति के आय की वृद्धि करने से दृष्टि गोचर हुआ, जिसमें संविधान के 73 वें संशोधन ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का 73वां संशोधन पंचायतीराज संस्थाओं को संवैधानिक मान्यता प्रदान करने के साथ-साथ 11 वीं अनुसूची में सीमा व 29 विधियों पर कार्य योजना तैयार करने का आधार प्रदान किया, यही संवैधानिक मान्यता पंचायतों में डिजिटल तकनीक, साक्ष्य आधारित निर्णय और तय समय सीमा में नागरिक केन्द्रित सेवाएं प्रदान करने के माध्यम से ई-गवर्नेंस युग का प्रारंभ हुआ। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में पंचायतीराज संस्थाओं का चयन इसका जीता जागता प्रमाण है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार ने पंचायतों की उपलब्धियों को राष्ट्रीय पहचान ही नहीं दी है, बल्कि यह सिद्ध किया है, कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में पंचायतीराज संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में एआई-साक्ष्य आधारित डिजिटल आंकड़े, डिजिटल सु-शासन की प्रतिबद्धता को परिलक्षित करता है। पंचायतीराज संस्थाओं में डिजिटल प्रौद्योगिकी आंकड़ों के विश्लेषण, निर्णय लेने एवं मजबूत साइबर सुरक्षा, कुशल तथा सुरक्षित और नागरिक केन्द्रित सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने के पंचायतीराज संस्थाओं की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 हेतु 07 पुरस्कार श्रेणियों में 17 परियोजनाओं में 10 स्वर्ण पुरस्कार, 06 रजत पुरस्कार और 01 जूरी पुरस्कार सम्मिलित हैं। पंचायतीराज से संबंधित 04 नवाचारों को राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए चयनित किया गया है, जो डिजिटल सु-शासन और नागरिक केन्द्रित सेवा वितरण को बढ़ावा देने में पंचायतीराज संस्थाओं की बढ़ती भूमिका को उजागर करती हैं। विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पंचायतीराज, मंत्रालय को पंचायत उच्चतम सूचकांक (पी.ए.आई) पहल पर डिजिटल प्लेटफार्म में आंकड़ों के विश्लेषण एवं उपयोग के माध्यम से पंचायतीराज संस्थाओं में डिजिटल परिवर्तन हेतु स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ। पंचायत उच्चतम सूचकांक देश की 2.66 लाख ग्राम पंचायतों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए मापने का एक पैमाना है। पंचायत उच्चतम सूचकांक स्थानीय सतत विकास के लक्ष्यों (एस.एस.डी.जी.) के 09 थीमों से जुड़े संकेतकों पर ग्राम पंचायतों का आकलन करता है, जिससे ग्राम स्तर पर सु-शासन और साक्ष्य आधारित की तस्वीर प्राप्त होती है, जो योजना निर्माण और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। पंचायत उच्चतम सूचकांक 2.0 सूचकांकों का नवीनतम और आधुनिक संस्करण है, जिसमें 150 संकेतकों और 230 साक्ष्य आधारित आंकड़ों के बिन्दुओं का उपयोग किया गया है, जिसमें पंचायतों के परफॉर्मेंस की प्रतिबिंब दिखाई पड़ती है। महाराष्ट्र के सांगली जिले के कादेगांव जनपद पंचायत की कादेपुर ग्राम पंचायत ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में ग्राम पंचायतों एवं स्थानीय निकायों द्वारा सेवा वितरण को जमीनी स्तर पर विस्तारित करने के नवाचार हेतु स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया। कादेपुर ग्राम पंचायत ने डिजिटल सु-शासन प्रणाली विकसित कर 4300 से अधिक लाभार्थियों को 1355 से अधिक सेवाएं डिजिटल माध्यम से प्रदान की जा रही है, जिसमें प्रमुख रूप से पेपर लेंस ई-ऑफिस, एआई आधारित प्रशासनिक अनुप्रयोग, ब्लॉक लेवल आधारित रिकॉर्ड प्रबंधन, जी.आई.एस. आधारित सम्पत्तियों का जियो-टैगिंग। ग्राम पंचायत कादेपुर ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ब्लॉक चैन, नैरो तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और रोबोटिक्स पर औपचारिक रूप से नीतियों को बनाने प्रयोग करने वाली देश की एक मात्र ग्राम पंचायत है। त्रिपुरा में पश्चिम त्रिपुरा जिले की मोहनपुर जनपद पंचायत की बीजानगर ग्राम पंचायत ने रजत पुरस्कार प्राप्त किया है। बीजानगर ग्राम पंचायत ने सहभागी सु-शासन, वित्तीय जवाबदेही और समावेशी डिजिटल तकनीक अपनाने का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत कर स्वयं के आय स्रोत (ओ.एस.आर.) में 194 प्रतिशत की वृद्धि कर ई-ऑफिस के माध्यम से 100 से अधिक सेवाएं ऑन-लाइन, महिलाओं में 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता तथा ग्राम वार्ता प्लेटफॉर्म प्रत्येक घर के साथ वास्तविक समय-सीमा में ध्वनि संचार को सक्षम बनाया है। महाराष्ट्र के नन्दुरबार जिला पंचायत को ई-गवर्नेंस में जिला स्तर पर नवाचार हेतु स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ है। नन्दुरबार जिला पंचायत के स्वास्थ्य विभाग ने ई-आरोग्य धर्मा में ई-गवर्नेंस के तहत आधुनिक डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके नन्दुरबार जिले के अदिवासियों और दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की हैं। नन्दुरबार जिला पंचायत ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता करायी है, जो पंचायतीराज संस्थाओं की सामाजिक न्याय की स्थापना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, तथा पंचायतों की पहचान “बेस्ट प्रैक्टिस” और “पंचायत लॉन्ग सेक्टर हब” के मॉडल के तौर पर विकसित हो रही है। महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज का जो स्वप्न देखा था, वह ई-गवर्नेंस के माध्यम से आकार लेकर आत्मनिर्भरता, पारदर्शिता और सामुदायिक सहभागिता के रूप में विकसित हो रही है, जो डिजिटल तकनीक से संभव हुआ है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में 30 राज्यों से 1.65 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों ने भाग लिया। ग्राम पंचायतों की यह भागीदारी पंचायती राज मंत्रालय की पंचायतीराज संस्थाओं में क्षमता निर्माण, मार्गदर्शन और डिजिटल शासन को बढ़ावा देने के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कादेपुर ग्राम पंचायत और बीजानगर ग्राम पंचायत ने यह सिद्ध किया है, कि विकसित भारत 2047 की राह ग्राम पंचायतों के भागीदारी से ही संभव है।

-लेखक संजय जदवण (पंचायत राज), त्रपुरा प्लेटेनल रणज पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान विनोद, रायपुर (छ.ग.)



अल नीनो

राज कुमार सिन्हा

साल के आखरी महीनों में एक अत्यधिक शक्तिशाली अल नीनो उभरने की पूरी आशंका है। वैज्ञानिकों ने भारत पर पड़ने वाले इस संभावित अल नीनो के प्रभाव को चार प्रमुख तिमाहियों में विभाजित किया है, जो देश के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने पर असर डालेगा। पहला जून से सितंबर 2026 में मौनसून पर संकट और बुवाई में देरी, दूसरा अक्टूबर से दिसंबर तक खरीफ फसलों को नुकसान और बढ़ती महंगाई और तीसरा जनवरी से मार्च 2027 तक गर्म सर्दियां और रबी फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव शामिल है। प्रशांत महासागर में विकसित होने वाली जलवायु घटना अल नीनो केवल एक मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि भारत की कृषि, जल, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता पर गहरा प्रभाव डालने वाली वैश्विक जलवायु प्रक्रिया है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो की तीव्रता और अनिश्चितता दोनों बढ़ रही हैं, जिससे भारत जैसे मानसून-निर्भर देश के लिए इसके खतरे और गंभीर हो गए हैं। सामान्य परिस्थितियों में प्रशांत महासागर की व्यापारिक पवनें (ट्रेड विन्ड्स) गर्म जल को पश्चिम की ओर एशिया और ऑस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं। जब ये पवनें कमजोर पड़ जाती हैं, तब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर का समुद्री तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसी स्थिति को अल नीनो कहा जाता है। यह घटना वैश्विक वायुमंडलीय परिसंचरण को बदल देती है और भारतीय मानसून को कमजोर कर सकती है। भारत की लगभग आधी कृषि भूमि आज भी वर्षा आधारित है। देश के जलाशय, भूजल पुनर्भरण, बिजली उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दक्षिण-पश्चिम मानसून पर निर्भर है। अल नीनो सीधे मानसून को प्रभावित करता है, इसलिए इसका प्रभाव बहुआयामी होता है। अल नीनो का सबसे बड़ा प्रभाव भारतीय मानसून पर पड़ता है। विगत कई वर्षों के मानसून अध्ययन से पता चलता है कि भारत में बड़े सूखे अल नीनो आए हैं। मानसून कमजोर होने पर वर्षा की मात्रा घटती है और उसका वितरण भी असमान हो जाता है। ढेर से मानसून आगमन लंबे “ड्राई स्पेल” हैं और अचानक अत्यधिक वर्षा की घटनाएं सूखा और बाढ़ दोनों का जोखिम बढ़ाता है, अर्थात् मानसूयु परिवर्तन के कारण अब “कम बारिश” के साथ “अत्यधिक बारिश” की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। यानी मानसून कमजोर हो सकता है, लेकिन कुछ दिनों में अत्यधिक बारिश से विनाशकारी बाढ़ भी आ सकती है। पर्यावरण क्षेत्र में काम करने वाले इशांत अग्रवाल का

भारत के भविष्य पर मंडराता संकट

ताजा पूर्वानुमानों के अनुसार, 2026 के आखरी महीनों में एक अत्यधिक शक्तिशाली अल नीनो उभरने की पूरी आशंका है। वैज्ञानिकों ने भारत पर पड़ने वाले इस संभावित अल नीनो के प्रभाव को चार प्रमुख तिमाहियों में विभाजित किया है, जो देश के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने पर असर डालेगा। पहला जून से सितंबर 2026 में मौनसून पर संकट और बुवाई में देरी, दूसरा अक्टूबर से दिसंबर तक खरीफ फसलों को नुकसान और बढ़ती महंगाई और तीसरा जनवरी से मार्च 2027 तक गर्म सर्दियां और रबी फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव शामिल है। प्रशांत महासागर में विकसित होने वाली जलवायु घटना अल नीनो केवल एक मौसमी बदलाव नहीं, बल्कि भारत की कृषि, जल, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिरता पर गहरा प्रभाव डालने वाली वैश्विक जलवायु प्रक्रिया है।

वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन के कारण अल नीनो की तीव्रता और अनिश्चितता दोनों बढ़ रही हैं, जिससे भारत जैसे मानसून-निर्भर देश के लिए इसके खतरे और गंभीर हो गए हैं। सामान्य परिस्थितियों में प्रशांत महासागर की व्यापारिक पवनें (ट्रेड विन्ड्स) गर्म जल को पश्चिम की ओर एशिया और ऑस्ट्रेलिया की तरफ धकेलती हैं। जब ये पवनें कमजोर पड़ जाती हैं, तब मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर का समुद्री तापमान सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इसी स्थिति को अल नीनो कहा जाता है। यह घटना वैश्विक वायुमंडलीय परिसंचरण को बदल देती है और भारतीय मानसून को कमजोर कर सकती है। भारत की लगभग आधी कृषि भूमि आज भी वर्षा आधारित है। देश के जलाशय, भूजल पुनर्भरण, बिजली उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दक्षिण-पश्चिम मानसून पर निर्भर है। अल नीनो सीधे मानसून को प्रभावित करता है, इसलिए इसका प्रभाव बहुआयामी होता है। अल नीनो का सबसे बड़ा प्रभाव भारतीय मानसून पर पड़ता है।

विगत कई वर्षों के मानसून अध्ययन से पता चलता है कि भारत में बड़े सूखे अल नीनो आए हैं। मानसून कमजोर होने पर वर्षा की मात्रा घटती है और उसका वितरण भी असमान हो जाता है। ढेर से मानसून आगमन लंबे “ड्राई स्पेल” हैं और अचानक अत्यधिक वर्षा की घटनाएं सूखा और बाढ़ दोनों का जोखिम बढ़ाता है, अर्थात् मानसूयु परिवर्तन के कारण अब “कम बारिश” के साथ “अत्यधिक बारिश” की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। यानी मानसून कमजोर हो सकता है, लेकिन कुछ दिनों में अत्यधिक बारिश से विनाशकारी बाढ़ भी आ सकती है। पर्यावरण क्षेत्र में काम करने वाले इशांत अग्रवाल का

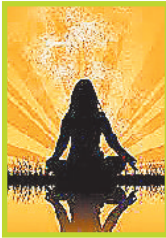
कहना है कि आमतौर पर मानसून के इस तरह अचानक रूठ जाने या थम जाने का सारा दोष 'ग्लोबल वॉर्मिंग', अल-नीनो या समुद्र के गर्म होने के सिर मढ़ दिया जाता है। भारत के बेहतरीन वैज्ञानिकों की लगातार आ रही रिसर्च ने एक ऐसा कड़वा सच सामने रखा है, जिसके जिम्मेदार कहीं न कहीं हम खुद हैं। विज्ञान कहता है कि मानसून के इस तरह कमजोर होने की एक बहुत बड़ी वजह हमारे ठीक सामने है। बढ़ते शहरीकरण, वनों की कटाई, आद्रभूमियों के विनाश और एकल फसल आधारित कृषि पद्धतियों ने स्थानीय जल चक्र को कमजोर किया है। इससे भूमि की नमी घट रही है और



मानसून के पैटर्न में भी बदलाव देखने को मिल रहा है। भूमि उपयोग में परिवर्तन और वनस्पति आवरण में कमी भी मानसून की अनिश्चितता बढ़ाने वाले महत्वपूर्ण कारक बनते जा रहे हैं। भारत को अल नीनो के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए बहुस्तरीय रणनीति अपनानी होगी। इसमें वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, जलग्रहण क्षेत्र विकास, फसल विविधीकरण, सूखा-रोधी बीजों को बढ़ावा, रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करना, प्राकृतिक एवं जलवायु-अनुकूल कृषि को प्रोत्साहित करना, स्थानीय जल निकायों का संरक्षण और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली को मजबूत करना शामिल है। साथ ही शहरों में हरित क्षेत्र बढ़ाकर और हीट एक्शन प्लान लागू करके गर्मी के प्रभाव को कम किया जा सकता है। लगभग 315 जिलों में वर्षा सामान्य से कम रहने की संभावना है और इन जिलों में सिंचाई की व्यवस्था बहुत सीमित है। इनमें से अधिकांश जिले मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, बिहार, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के हैं। भारत सरकार ने किसानों के हित और खेती को सुरक्षित रखने के लिए जल प्रबंधन, बीज की उपलब्धता, और वैकल्पिक फसलों पर रणनीति तैयार की गई है। 315 संवेदनशील जिलों को चिन्हित कर

एकनिष्ठ भक्ति

अनेक महापुरुष हैं, अनेक देवी-देवता हैं, अनेक मार्ग हैं, किंतु एकनिष्ठता आवश्यक है। इसी कारण इष्ट देवता की अवधारणा है। घर की बहु सास, ससुर, जेठ, जेठानी सबका आदर सम्मान करती है, किसी की अवज्ञा या उपेक्षा नहीं करती। सबकी सेवा करती है, किंतु अपने पति को वह सबसे अधिक चाहती है। इसी तरह तुम भी अपने इष्ट देवता पर दृढ़ एकनिष्ठ भक्ति रखो, जबकि अन्य देवी-देवताओं का सम्मान करो, सबके प्रति श्रद्धा रखो। सभी देव एक ही परमेश्वर के रूप हैं। किंतु किसी एक के प्रति एकनिष्ठ रहो। चौसर के खेल में गोटी सब खानों का चक्कर लगाए बिना लक्ष्य पर नहीं पहुंचती। यदि वो गोटियां जोड़ी बांधकर इकट्ठी चलें तो उन्हें कोई काट नहीं सकता, नहीं तो अकेली गोटी लक्ष्य के पास पहुंचकर पकते-पकते भी कट जा सकती है। इसी प्रकार साधना के मार्ग पर भी यदि गुरु अथवा इष्ट के साथ युक्त होकर आगे बढ़ा जाए तो बाधा विघ्न का भय नहीं रहता, यात्रा निर्विघ्न रूप से सफल हो सकती है। एक बार किसी यात्री ने एक आदमी से कलकत्ता (अब कोलकाता) जाने का रास्ता पूछा। उस आदमी ने कहा, इस रास्ते से चले जाओ। थोड़ी दूर चलकर उसने और एक जन से रास्ता पूछा। उसने दूसरा रास्ता बताया। इस तरह वह थोड़ा सा आगे बढ़कर किसी से रास्ता पूछता तो पहले वाले का रास्ता छोड़ उस पर चल देता। ऐसा करते हुए वह रास्तों पर ही भटकता रहा, कलकत्ता नहीं पहुंच पाया। उसे किसी ऐसे व्यक्ति से रास्ता पूछना चाहिए था, जिस पर विश्वास हो कि वह सही मार्ग जानता है।



संकलित

दर्शन

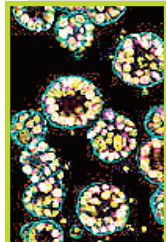
अंतर्मन



करंट अफेयर

यूरोप में पड़ रही भीषण गर्मी आखिर क्या है इसकी वजह

यूरोप में चिलचिलाती धूप के कारण तापमान के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं और पूरा महाद्वीप भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। मंगलवार और बुधवार को फ्रांस में इतिहास के सबसे गर्म दिन दर्ज किये गए। देश के पश्चिमी हिस्सों में अधिकतम तापमान 39 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंच गया। बुधवार ब्रिटेन के इतिहास में जून का सबसे गर्म दिन रहा, जहां तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शुक्रआती आंकड़ों के अनुसार, स्पेन, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड और स्विट्जरलैंड में भी कई स्थानों पर जून के तापमान के रिकॉर्ड टूट गए हैं। और यह सिलसिला अभी थमा नहीं है। इस बीच, लोगों की जान भी गई है। एक अध्ययन में, जून 2025 में दक्षिण-पूर्वी इंग्लैंड में पड़ी भीषण गर्मी का विश्लेषण किया गया। इसमें पाया गया कि यदि मानव गतिविधियों से होने वाले ग्रीहाउस गैस उत्सर्जन का प्रभाव न होता, तो ऐसी भीषण गर्मी लगभग 50 वर्षों में केवल एक बार आती। लेकिन मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापमान में हुई 1.3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि को ध्यान में रखते हुए पाया गया कि ऐसी भीषण गर्मी की स्थिति अब 50 वर्ष में एक बार नहीं, बल्कि कम से कम हर पांच वर्ष में एक बार देखने को मिल रही है।



दे सकता है। जब भी शरीर में नई कोशिका बनती है, तो डीएनए की एक नई प्रति भी बनती है। कभी-कभी संगोपवश गलतियां हो जाती हैं, जिससे म्यूटेशन हो सकता है। इसे आप ऐसे समझें जैसे एक फोटोकॉपी की फोटोकॉपी बनाना। इस प्रक्रिया में हर प्रति दूसरे से थोड़ी भिन्न होती है। ज्यादातर डीएनए म्यूटेशन हानिरहित होते हैं। लेकिन शरीर में हर दिन अरबों कोशिकाएं बनती हैं। इसलिए जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर में डीएनए की प्रतियों की संख्या बढ़ती जाती है, जिससे गलतियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

विचार हरिभूमि

विशेष रूप से खरीफ फसलों जैसे धान और मक्का की सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। कम बारिश होने की स्थिति में किसानों को कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों और सूखे के प्रति सहनशील बीजों की आपूर्ति की जा रही है। राज्य स्तर पर मॉनिटरिंग कमेटियां बनाई गई हैं, जो बारिश, जल स्तर और बीज-खाद की आपूर्ति पर लगातार नजर रख रही हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि अभी भी केंद्रीय भूमिका निभाती है। कमजोर मानसून का सबसे बड़ा असर किसानों पर पड़ता है। धान, गेहूं, दाल, गन्ना और तिलहन उत्पादन में गिरावट होती है, खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित और सिंचाई लागत में वृद्धि होती है। हाल के वर्षों में सरकार को चीनी निर्यात रोकने जैसे कदम उठाने पड़े क्योंकि कमजोर मानसून से गन्ना उत्पादन प्रभावित होने की आशंका बढ़ी है। जल संकट और भूजल पर दबाव कम वर्षा का सीधा असर नदियों, बांधों और भूजल स्तर पर पड़ता है। भारत में महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, राजस्थान, बुंदेलखंड और तेलंगाना पहले से ही भूजल दोहन के गंभीर संकट से जूझ रहा है। अल नीनो इस संकट को और गहरा कर सकता है। अल नीनो वाले वर्षों में वैश्विक तापमान सामान्य से अधिक बढ़ जाता है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि भविष्य में बनने वाले अल नीनो वैश्विक तापमान को रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा सकता है। इस कारण लंबी और तीव्र हीटवेव, शहरी “हीट आइलैंड” प्रभाव,श्रमिकों की कार्यक्षमता में कमी, लू से मौतें होगी और गरीब और असंगठित क्षेत्र के मजदूर सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इससे ग्रामीणी का पलायन, आय असमानता और सामाजिक असुरक्षा बढ़ने वाले का खतरा पैदा होता है। कम जल उपलब्धता और बढ़ती गर्मी ऊर्जा क्षेत्र को भी प्रभावित करती है। कमजोर मानसून का असर जीडीपी वृद्धि पर भी पड़ सकता है क्योंकि भारत की बड़ी आबादी कृषि आधारित है। अल नीनो समुद्री तापमान को बढ़ाकर समुद्री जैव विविधता को प्रभावित करेगा।

प्रशांत महासागर में पनप रहा अल नीनो भारत के लिए केवल मौसम संबंधी घटना नहीं, बल्कि खाद्य सुरक्षा, जल संकट, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा राष्ट्रीय खतरा है। जलवायु परिवर्तन ने इस खतरे को और जटिल बना दिया है। यदि भारत ने समय नहीं रहने जल, कृषि और ऊर्जा नीतियों में व्यापक परिवर्तन नहीं किए, तो भविष्य में अल नीनो जैसी घटनाएं करोड़ों लोगों की आजीविका और जीवन पर गंभीर प्रभाव डाल सकती हैं।

(लेखक संजय संनकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

मृत्यु टाले नहीं टलती

भगवान विष्णु गरुड़ पर बैठ कर कैलाश पर्वत पर गए। द्वार पर गरुड़ को छोड़ कर खुद शिव से मिलने अंदर चले गए। तब कैलाश की अर्पूर्व प्राकृतिक शोभा को देख कर गरुड़ मंत्रमुग्ध थे कि तभी उनकी नजर एक खूबसूरत छोटी सी चिड़िया पर पड़ी। चिड़िया कुछ इतनी सुंदर थी कि गरुड़ के सारे विचार उसकी तरफ आकर्षित होने लगे। उसी समय कैलाश पर यम देव पथारों और अंदर जाने से पहले उन्होंने उस छोटे से पक्षी को आश्चर्य की दृष्टि से देखा। गरुड़ समझ गए उस चिड़िया का अंत निकट है और यमदेव कैलाश से निकलते ही उसे अपने साथ यमलोक ले जाएंगे। गरुड़ को दया आ गई। इतनी छोटी और सुंदर चिड़िया को मरता हुआ नहीं देख सकते थे। उसे अपने पंजों में दबाया और कैलाश से हजारों कोस दूर एक जंगल में एक चट्टान के ऊपर छोड़ दिया, और खुद वापिस कैलाश पर आ गए। आखिर जब यम बाहर आए तो गरुड़ ने पूछ ही लिया कि उन्होंने उस चिड़िया को इतनी आश्चर्य भरी नजर से क्यों देखा था। यम देव बोले- गरुड़ जब मैंने उस चिड़िया को देखा तो मुझे ज्ञात हुआ कि वो चिड़िया कुछ ही पल बाद यहां से हजारों कोस दूर एक नाग द्वारा खा ली जाएगी। मैं सोच रहा था कि वो इतनी जल्दी इतनी दूर कैसे जाएगी, पर अब जब वो यहां नहीं है तो निश्चित ही वो मर चुकी होगी। गरुड़ समझ गए मृत्यु टाले नहीं टलती चाहे कितनी भी चतुराई की जाए।



भारत की स्थिरता

आपनी संरचनात्मक कमजोरियों के बावजूद, भारत ने वैश्विक स्तर पर नैतिक और चुनौतीपूर्ण समय में भी जबरदस्त स्थिरता दिखाई है। यह पिछले दशक में वैश्वी-इकोनॉमिक स्थिरता बनाए रखने और साथ ही नीति-निर्माण को संवेदनशील और फुरतीला बनाने से हासिल हुआ है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री



प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना

हमने जो सपना देखा था, वह आज हर धड़कन में बनता है। एक नया भारत बनाने का संकल्प हमारे दिलों में है। अצל जी के इसी संकल्प के तहत, आज हम 'प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना' के ज़रिए एक नए भारत को आकार लेते हुए देख रहे हैं। - शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री



तरुण चुप को बधाई

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव, तरुण चुप को राज्यसभा सांसद के रूप में शायद लेने पर हार्दिक बधाई। आपका संगठनात्मक अनुभव और राष्ट्र-हित के प्रति समर्पण अब संसदीय कर्तव्यों के माध्यम से देश सेवा को नई दिशा प्रदान करेगा। - रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली



विकास को प्राथमिकता

हिमाचल का कोई भी इलाका विकास से अछूता नहीं रहना चाहिए; यही हमारी प्राथमिकता है। जिन इलाकों को दुर्गम बताकर बरेशों तक नज़रअंदाज किया गया, हमारी सरकार अब उन्हें प्राथमिकता दे रही है और उनका विकास कर रही है। -सुखविर सिंह सुखु, सीएम, हिमाचल प्रदेश



हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड - 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फ़ोन : 401050,271016,फ़ैक्स-271018
ई-मेल : haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

केदार कश्यप ने किया समस्याओं का निराकरण

रायपुर। प्रदेश के मंत्री केदार कश्यप ने सोमवार को कुशाभाऊ ठाकरे परिसर के सहयोग केन्द्र में भाजपा के कार्यकर्ताओं और आमजनों की समस्याएं की निराकरण किया।

सहयोग केंद्र में प्रदेश भर से पहुंचे बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने श्री कश्यप के समक्ष अपनी मांगों, सुझाव और विभिन्न क्षेत्रों की समस्याएं रखीं। श्री कश्यप ने इस दौरान करीब 42 प्रतिनिधिमण्डलों व 200 से अधिक संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं की बातों को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ सुना। कई मामलों में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फोन पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। संगठन के सुदृढीकरण और जमीनी स्तर पर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर मंत्री श्री कश्यप ने कहा, कार्यकर्ता सरकार और जनता के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं। भाजपा सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सहयोग केंद्र के माध्यम से हम सीधे आम जनमानस और अपने कर्मठ कार्यकर्ताओं तक पहुंच रहे हैं, ताकि शासन-प्रशासन के स्तर पर किसी भी नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रामजी भारती व सहयोग केन्द्र प्रभारी सच्चिदानन्द उपपासे मौजूद थे।

चाकू से जानलेवा हमला नाबालिग समेत 3 अरेस्ट



रायपुर। पुरानी रंजिश को लेकर मोतीबाग में युवक पर चाकू से हमला करने के आरोप में पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। कृष दीप की शिकायत पर पुलिस ने महेंद्र उर्फ हर्ष सोनी, देव बघेल तथा एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। मोतीबाग में गुरुवार तड़के छह बजे दोनों पक्षों के बीच मोबाइल फोन पर बातचीत हुई, जो देखते ही देखते तोखी बहस में बदल गई। इसके बाद आरोपी एक राय होकर पीड़ित से मिलने पहुंचे। आमने-सामने होने पर विवाद और अधिक बढ़ गया, इस दौरान आरोपियों ने चाकू से हमला कर कृष को गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए थे।

नरोड़ी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई



रायपुर। ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को रात्रि में शहर के 9 स्थान तेलीबांधा, पचपेड़ी नाका, भांठागांव, टाटीबंध, कालीबाड़ी, जय स्तंभ चौक, भनूपुरी चौक एवं पंडरी थाना के सामने ट्रैफिक एसोपी सीमा अहिरवार के नेतृत्व में यातायात के अधिकारियों एवं जवानों की टीम बनाकर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाते हुए कुल 47 वाहन चालकों में 29 कार, 4 मोटर साइकिल, 1 ई-रिक्शा, 7 टाटा एस. 6 ट्रक को पकड़ा गया, जिनके खिलाफ चालानी कार्रवाई कर उन्हें सोमवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

शौच करने गया झड़वर ई-रिक्शा पार

रायपुर। शौच करने गए एक झड़वर का ई-रिक्शा अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। सरोरा निवासी ललित बंजारे ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। उसने डीडीनगर पुलिस को बताया कि वह पिछले सप्ताह मंगलवार को रात के समय सरोरा लेकर डिग्रापारा रायपुरा गया था। जहां सवारी छोड़कर वापस सरोना होते हुए वापस आ रहा था, रात्रि करीबन 11 बजे कृष्णा पब्लिक स्कूल के पास सरोना पहुंचा और ई-रिक्शा को चाबी लगी हुई खड़ी कर पेट गड़बड़ होने पर पास में टायलेट चला गया। करीब आधे घंटे बाद वापस आया तो अज्ञात चोर ई-रिक्शा चोरी कर फरार हो गया था।

नए टैरिफ की महंगी बिजली से पहले एफपीपीएसएस शुल्क बढ़ने का झटका

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

प्रदेशभर के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं को अगले माह बिजली के नए महंगे टैरिफ के लागू होने से पहले जुलाई में आने वाले जून के बिल में एफपीपीएसएस शुल्क बढ़ने का तगड़ा झटका लगाया। इस बार का जो शुल्क तय किया गया है, वह 11.23 फीसदी है। पिछला शुल्क 9.13 फीसदी था। यानी इस बार दो फीसदी ज्यादा शुल्क देना पड़ेगा। इसके बाद

अगस्त में जो जुलाई का बिल आएगा, उसमें भी एफपीपीएसएस शुल्क लगेगा, लेकिन इसी के साथ नया टैरिफ लागू होने से बिजली और महंगी हो जाएगी। बिजली में हर माह अब एफपीपीएसएस शुल्क तय होने के कारण हर माह बिजली के दाम बदल जाते हैं। इस साल के पहले माह जनवरी में जो दिसंबर का बिल आया था। उसमें 13.64 फीसदी एफपीपीएसएस शुल्क लिया गया। इसमें जहां 5.43 फीसदी पुराना शुल्क

मई की खपत पर जून के बिल में लगेगा 11.23 फीसदी शुल्क

शुल्क बढ़ने का कारण ज्यादा बिजली खरीदी

इस बार एफपीपीएसएस शुल्क के बढ़ने का कारण पाँवर कंपनी के अधिकारी यह बता रहे हैं कि गर्मी की वजह से इस बार बाहर से ज्यादा बिजली खरीदी गई है। बीते करीब दो माह से तो कोरबा के 210 मेगावाट के तट संयंत्र भी लगातार बंद रहे हैं। इस समय भी एक 210 मेगावाट का संयंत्र बंद है। इसके कारण भी अपना उत्पादन कम हो रहा है। इसी के साथ गर्मी में खपत ज्यादा होने के कारण डिमांड सात हजार मेगावाट तक गई है।



था, वहीं दिसंबर का 8.21 फीसदी शुल्क शामिल था। दिसंबर में एफपीपीएसएस शुल्क 16.42 फीसदी तय हुआ था। इसमें से आधा दिसंबर के बिल के साथ लिया गया। इसके बाद बचा आधा 8.21 फीसदी शुल्क जनवरी के बिल में लिया गया। फरवरी में जब जनवरी का बिल आया तो उसमें पूराना 8.21 फीसदी शुल्क और जनवरी का नया शुल्क 4.14 फीसदी भी लिया गया। ऐसे में इस माह भी डबल झटका लगा था।

लेकिन मार्च में जब फरवरी का बिल आया तो इसमें एफपीपीएसएस शुल्क 5.91 फीसदी लगा। इसके बाद अप्रैल में मार्च का बिल आया तो इसमें एफपीपीएसएस शुल्क और कम होकर 4.24 फीसदी लगा। मई में जब अप्रैल का बिल आया था इसमें 3.98 फीसदी एफपीपीएसएस शुल्क लगा था। जून में जब मई का बिल आया तो इसमें करीब 9.13 फीसदी शुल्क लगा। अब इस शुल्क में और इजाफा हो गया है।

सीएम हेलपलाइन लाइन नंबर

अवैध रेत-मुरुम की शिकायतें

हर दिन जांच के लिए रवाना हो रही टीम

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

मुख्यमंत्री हेलपलाइन नंबर में जिस तरह से शिकायत एवं समस्याओं का तेज गति से निराकरण किया जा रहा है, उसे देखते हुए अब रेत और मुरुम के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण किए जाने की शिकायतें भी लगातार आने लगी हैं, जिसके कारण खनिज विभाग की टीम लगभग हर दिन इन शिकायतों की जांच के लिए औचक निरीक्षण पर भी निकल रही है।

विभागीय सूत्र के अनुसार जिले में पिछले लगभग पखवाड़ाभर में थोक में मुरुम एवं रेत से संबंधित शिकायतें मुख्यमंत्री हेलपलाइन के माध्यम से जिला खनिज विभाग दफ्तर में पहुंच चुकी हैं। इन शिकायतों पर टीम भेजकर जांच भी कराई जा रही है। कई शिकायतें इनमें सही भी पाई जा चुकी हैं, जहां अवैध एवं नियम के विरुद्ध मुरुम का खनन के साथ रेत का अवैध रूप से भंडारण किया हुआ था। हालांकि इस जांच के बाद रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है, इसलिए इसकी जानकारी भी सार्वजनिक नहीं की जा रही है।



60 से अधिक शिकायतें

जिले में इन दिनों खनिज सामग्री में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की सबसे अधिक शिकायतें रेत और मुरुम की हुई हैं। मुख्यमंत्री हेलपलाइन में शिकायत करने वालों के नाम सुरक्षा की दृष्टि से गोपनीय रखे जा रहे हैं। सूत्र के अनुसार सुशासन तिहार के दौरान जनसमस्या निवारण शिबिर के दौरान भी कई लोगों ने रेत और मुरुम से संबंधित शिकायतें की थीं। इनमें कुछ शिकायतों पर कार्रवाई भी की गई, लेकिन कई शिकायतों पर जांच तक नहीं की गई। इसे देखते हुए कई लोग अब सीधे मुख्यमंत्री हेलपलाइन नंबर पर शिकायत करने लगे हैं। जानकारी मिली है कि पिछले पखवाड़ाभर में 60 से ज्यादा शिकायतें मुख्यमंत्री हेलपलाइन में की गई हैं। इन शिकायतों पर जल्द से जल्द जांच करने तथा शिकायत सही मिलने पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

रेत का अवैध भंडारण, मुरुम में अवैध खनन की शिकायतें ज्यादा

बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री हेलपलाइन में आई शिकायतों में रेत के अवैध भंडारण और मुरुम में अवैध एवं नियम के विरुद्ध खनन की शिकायतें अधिक आई हैं। इन शिकायतों में आरंग, उपरवारा, नवा रायपुर, अमनपुर, खरोरा क्षेत्र से संबंधित ज्यादा आई हैं। इन शिकायतों पर जांच तो की जा रही है, लेकिन जांच में क्या पाया गया, शिकायत सही मिलने पर कार्रवाई की गई या नहीं, इसकी पूरी रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय को भेजी जा रही है।

गाम कुटेला में अब तक बड़ी कार्रवाई

मुख्यमंत्री हेलपलाइन नंबर पर आई शिकायत पर अब तक सबसे बड़ी कार्रवाई आरंग क्षेत्र के गाम कुटेला में की गई। यहां सरपंच की नाक के नीचे चार लोगों लौह चंद्राकर, दीपक चंद्राकर, हमेंच चंद्राकर एवं रघु चंद्राकर ने मिलकर 80 हाईवा एवं 90 टैक्टर ट्राली रेत का अवैध रूप से भंडारण किया था। इस शिकायत पर विभाग ने कार्रवाई करते हुए रेत को जब्ती बनाकर गाम पंचायत के सुपुर्द कर इसकी निगरानी का जिम्मा सौंपा है। इस रेत का इन दिनों बाजार मूल्य 30 लाख रुपये से भी अधिक है। हालांकि इस मामले में भंडारण करने वालों के विरुद्ध अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

रिपोर्ट मुख्यालय भेजी जा रही

मुख्यमंत्री हेलपलाइन नंबर से मिली शिकायतों पर जांच-कार्रवाई कर रिपोर्ट मुख्यालय भेजी जा रही है। जांच के दौरान शिकायत सही मिलने पर कार्रवाई भी की जा रही है।

- राजेश मालवे, उप संचालक, खनिज विभाग रायपुर

युवती के हाथ पैर बांध कर खाट के नीचे छिपाया

रायपुर। आरंग थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय युवती को अपहरण कर उसे बंधक बना लिया। युवती मूल रूप से बलौदाबाजार के पलारी की रहने वाली है। वह आरंग में रहकर प्राइवेट जॉब करती है। वह अपनी नानी के यहां से घर लौट रही थी। मंदिर हसौद थाना क्षेत्र निवासी युवक हनी उर्फ दीपक युवती की रस्ता रोककर जब्तन अपने साथ ले गया और हाथ-पैर बांधकर खाट के नीचे छिपा दिया। आरोप है कि उसने युवती का मुंह दबाकर उसका अपहरण किया और अपने घर ले जाकर बंधक बना लिया। पुलिस ने हनी के खिलाफ अपहरण, बंधक बनाने, धमकी देने तथा छेड़खानी का अपराध दर्ज किया है। आरोपी ने युवती के मुंह में कपड़ा पट्टा दिया, उसके दोनों हाथ पीछे बांध दिए और अपने घर के अंदर खाट के नीचे छिपाकर रखा, ताकि किसी की उसकी मौजूदगी का पता न चल सके। युवती के काफी देर तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनो की अन्वहोनी की आशंका हुई।

जून में 'सूखा', दस साल में नहीं बने ऐसे हालात, अमी दिख नहीं रहे बारिश के आसार

रायपुर। मानसून आगमन की अनिश्चितता और निर्णर्रयता की वजह से इस बार जून सूखा-सूखा गुजर गया। मौसम विभाग के आंकड़ों को मानें, तो रायपुर समेत विभिन्न जिलों में इस तरह के हालात दस साल में नहीं बने। जून की निराशा के बाद अब जुलाई में अच्छी बारिश के आस बन रही है, क्योंकि यह रेनी सीजन का मुख्य महीना होता है। मौसम विभाग के अनुमान के विपरीत चाल चलने वाले मानसून ने इस बार बड़ा धोखा दिया है। वैसे तो जून में आमतौर पर सामान्य से कम बारिश होती है, मगर इस बार सूखे के हालात ने तो पिछले दस साल के रिकार्ड को ध्वस्त कर दिया है। जून के महीने में प्रदेश के कुछ स्टेशनों में दर्ज वर्षा की मात्रा इतनी कम रही कि यह आंकड़ा घंटेभर के भीतर पूरा हो जाता है। पिछले चौबीस घंटे में राज्य के भीतर बारिश की गतिविधि ना के बराबर रही और जशपुर के सन्ना इलाके में सर्वाधिक 5 सेमी. बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा कुछ स्टेशन में आंकड़े दर्ज हुए और बाकी में सूखे के हालात रहे। विशेषज्ञों की मानें, तो जून के महीने में बंगाल की खाड़ी में एक-दो ऐसे सिस्टम तैयार हो जाते हैं, जो यहां वर्षा की स्थिति को ठीक कर देता है। इस बार खाड़ी में कुछ हलचल ही नहीं हुई। यहां थोड़ी बहुत बरसात स्थानीय प्रभाव से हुई। इस बार जून के महीने ने किसानों को बेहद निराश किया है, साथ ही राज्य में 67 फीसदी कमी ने सूखे की चिंता को और बढ़ा दिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि जुलाई के महीने में वर्षा की गतिविधि में बढ़ोतरी होगी और संकट के बादल काफी हद तक छंटेंगे।

पीएम मोदी और आरएसएस पर साधा निशाना

राम मंदिर में चोरी के मामले में खेड़ा ने कहा- अयोध्या

की लूट तो झांकी है, मथुरा काशी लूटना बाकी है

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार, भाजपा और आरएसएस पर हमला करते हुए कहा, प्रधानमंत्री मोदी को देश को बताना चाहिए कि वे आखिर किससे नहीं डरते। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, हम मोदी से एक लिस्ट चाहते हैं कि आप किससे नहीं डरते। चीन, पाकिस्तान, नेपाल आखिर किससे नहीं डरते, यह देश को बताइए, तभी आपसे उम्मीद करेंगे। उन्होंने मोदी,

आरएसएस पर साधा निशाना

पवन खेड़ा ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान का जिक्र करते हुए कहा, ऐसे बयान समाज में तनाव पैदा करते हैं। उन्होंने सवाल किया कि यदि बुलडोजर की कार्रवाई की बात होती है, तो क्या वही कार्रवाई सभी पर समान रूप से लागू होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि धार्मिक भावनाओं का राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। क्या मोहन भागवत और पीएमओं के घर पर बुलडोजर चलेगा?

मीडिया की भूमिका पर टिप्पणी

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा, छत्तीसगढ़ का मीडिया निष्पक्ष माना जाता है। राष्ट्रीय मीडिया को भी निष्पक्ष प्रवृत्तारिता से सीख लेनी चाहिए। मीडिया का दायित्व सत्ता से सवाल पूछना और जनता के मुँह को प्रमुखता देना है। पवन खेड़ा ने केंद्र सरकार की नीरियों पर कई सवाल उठाए और कहा, कांग्रेस आने वाले समय में जनता, छात्रों और युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार आंदोलन और अभियान चलाएंगी।

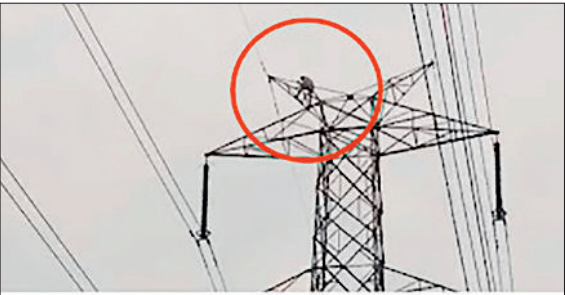
दो पत्नी रखने की जिद, टॉवर पर चढ़ा युवक

हरिभूमि न्यूज ►► कुरुद

भखरा थाना क्षेत्र के ग्राम भेंड़ा में रविवार शाम एक बार फिर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक बिजली टावर पर चढ़ गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश देकर करीब ढाई घंटे बाद युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया।

- पुलिस की समझाइश से टली बड़ी घटना

बता दें कि उक्त युवक पहले भी टॉवर पर चढ़कर सनसनी फैला चुका है। दरअसल उसकी दो पत्नियां हैं, दोनों के बीच विवाद होते रहने से वह परेशान है। पिछली बार वह इसी शर्त पर उतरा था कि दोनों पत्नियां मिलजुलकर रहेंगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो वह फिर टॉवर पर चढ़ गया। पुलिस के अनुसार ग्राम भेंड़ा निवासी पाराराम साहू शाम को गांव के पास स्थित हाईटेशन ट्रांसमिशन टावर पर चढ़ गया था। युवक को ऊंचाई पर देखकर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और इसकी जानकारी भखरा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस सतत ने युवक से बातचीत कर उसे नीचे आने के लिए समझाया। काफी देर तक चले प्रयास के बाद युवक नीचे उतरा। इसके बाद पुलिस उसे अपने साथ थाने ले गई। इस घटना के बाद गांव में लोगों के बीच चिंता का माहौल बन गया।



प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी

सरपंच हिरेन्द्र मंडावी ने बताया कि युवक शाम करीब 5 बजे टावर पर चढ़ा था। पुलिस को सूचना देने के बाद टीम मौके पर पहुंची और काफी प्रयास के बाद उसे सुरक्षित उतारा गया। भखरा थाना प्रभारी शरद तामकार ने बताया कि युवक को संकुशल नीचे उतार लिया गया है। मामले में नियमानुसार प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी।

अपनी मांगों को लेकर मुख्यमंत्री, मंत्री, सचिव को लिखा पत्र

9 सूत्रीय मांगों को लेकर पीडीएस संघ 5 जुलाई से हड़ताल पर



रायपुर। बारदाना, मार्जिन राशि सहित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदेशभर की उचित मूल्य दुकानों के संचालक 5 जुलाई से हड़ताल पर जाने की तैयारी में हैं। छत्तीसगढ़ पीडीएस संघ के अध्यक्ष नरेश बाफना ने बताया कि प्रदेश के 17 जिलों से अधिक उचित मूल्य दुकानों के संचालकों से हड़ताल पर जाने का समर्थन मिल चुका है।

उन्होंने कहा कि अपनी मांगों को लेकर संघ ने खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव से लेकर विभागीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखा है। इस पत्र के माध्यम से अटर्लीमेंटय दिया है कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो 5 जुलाई से सभी जिलों में उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न वितरण का काम भी नहीं होगा। सभी दुकानों के संचालक-विक्रेता हड़ताल पर रहेंगे।

शक्कर कमीशन बढ़ाने की मांग

संघ ने शक्कर वितरण में भी कमीशन बढ़ाए जाने की मांग की है। शक्कर में अब तक प्रति राशन कार्ड प्रति किलो के पीछे 4 पैसे मिलता है, जो उचित नहीं है। शक्कर में प्रति विंटल के पीछे कम से कम 100 रुपए कमीशन मिलना चाहिए। उन्होंने बताया कि अगस्त 2016 से नवंबर 2016 तक बढ़ी कमीशन की राशि अब तक नहीं मिली है। शक्कर का मूल्य प्रति किलो 17 रुपए है। चिल्डर की समस्या होने के कारण अक्सर हितवादी और दुकानदार के बीच इसे लेकर विवाद की स्थिति भी होती है, इसलिए शक्कर का मूल्य भी 20 रुपए की जाए, ताकि चिल्डर पैस की समस्या नहीं रहे।

3 माह का एक साथ चावल वितरण बंद हो

संघ ने चावल उत्सव के रूप में राशन दुकानों में 3 माह का चावल एक साथ वितरण करने का निर्णय को अनुचित बताया है। संघ का कहना है कि नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा समय भर दुकानों में चावल का भंडारण नहीं किया जाता है, जिसके कारण वितरण में काफी दिक्कत होती है। तीन माह का एक साथ चावल वितरण के कारण दुकानों में कार्यरत कर्मचारियों की भी दो से तीन गुना मेहनत करनी पड़ती है, वहीं कई हितवाहियों के लिए भी यह परेशानी का सबब बनता है। उनके कच्चे घरों में जगह की कमी के कारण चावल को सुरक्षित रख पाना मुश्किल होता है, इसलिए यह बंद होना चाहिए।

20 साल से मार्जिन राशि बढ़ी नहीं

संघ अध्यक्ष ने बताया कि सभी राशन दुकानदार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। इसके कई कारण हैं, जिसमें से एक बड़ा कारण 20 वर्षों से मार्जिन राशि का नहीं बढ़ाया जाना भी है। उन्होंने कहा कि इन 20 वर्षों में महंगाई कहां से कहा पहुंच गई है। हर चीज की कीमत कई गुना बढ़ी है, लेकिन दुकानदारों को खाद्यान्न वितरण में मिलने वाली मार्जिन राशि नहीं के बराबर इन सालों में बढ़ाई गई है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में सीजीएफएसए प्रति विंटल चावल के पीछे 30 रुपए तथा एनफएसए प्रति विंटल चावल बिंदी के एचज में 90 रुपए कमीशन दुकानदारों को मिलता है। चावल राज्य का हो या केंद्र का उसे वितरण करने में समान मेहनत लगती है, इसलिए मार्जिन राशि दोनों की सामान रूप से बढ़ाकर प्रति विंटल 150-150 रुपए करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बारदाना की राशि भी समय पर नहीं दी जा रही है।

ई-पॉस मशीन के कारण वितरण प्रभावित से मजदूरी-समय दोनों का नुकसान

संघ की यह भी मांग है कि ईपॉस मशीन में कमी सर्वर डाउन, लिंक फेल एवं फिंगर काम नहीं करने की समस्या के कारण खाद्यान्न वितरण प्रभावित होता है। इससे घंटों लाइन में खड़ा होने वाले मजदूर वर्ग के लोगों की मजदूरी एवं समय दोनों की बर्बादी होती है। इसकी भी जांच होनी

चाहिए। एम2 पद्धति से आबंटन बंद करने, भंडारण में कम वजन चावल से दुकानदारों को नुकसान होता है, इसलिए 1 प्रतिशत क्षतिपूर्ति राशि सहित अन्य मांग शामिल है। संघ की पिछले दिनों रायपुर में बैठक हुई थी, जिसमें सर्वसम्मति से मांगों को लेकर निर्णय लिया है।

खबर संक्षेप

पर्सिस्टेंट सिस्टम्स के शेयर में 11% से अधिक की गिरावट



नई दिल्ली। पर्सिस्टेंट सिस्टम्स के शेयर में सोमवार को 11 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट कंपनी के उस बयान के बाद आई है जिसमें उसने जर्मनी की डिजिटल इंजीनियरिंग कंपनी 'नागारो' का अधिग्रहण करने की घोषणा की है। बीएसई पर कंपनी का शेयर 11.20 प्रतिशत टूटकर 4,298.25 रुपये पर बंद हुआ।

रुपया नौ पैसे कमजोर होकर 94.54 प्रति डॉलर पर



मुंबई। रुपया सोमवार को नौ पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.54 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अनुकूल कीमतों और विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार के कारण रुपये ने सकारात्मक शुरुआत की। अमेरिका-ईरान के बीच फिर से सैन्य संघर्ष के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जिससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बना।

टर्टलमिंट सूचीबद्ध होने के बाद 11 प्रतिशत टूटा



नई दिल्ली। बीमा प्रौद्योगिकी कंपनी टर्टलमिंट फिनटेक सोल्यूशंस का शेयर सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद अपने निर्गम मूल्य 152 रुपये के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 136.20 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो इसके निर्गम मूल्य से 10.39 प्रतिशत कम है।

इलेवन ने वित्तीय कारोबार ने 216 करोड़ किए निवेश

नई दिल्ली। वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा क्षेत्रों में कारोबार करने वाले विविधीकृत समूह इलेवन ने अपनी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) सहित वित्तीय सेवा कारोबार में 216 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि इस ताजा निवेश के साथ पिछले चार वर्षों में उसके वित्तीय सेवा कारोबार में कुल निवेश बढ़कर 470 करोड़ रुपये हो गया है। यह निवेश वित्तीय सेवा कारोबार के विस्तार की उसकी दीर्घकालिक रणनीति को दर्शाता है। बयान के अनुसार, कंपनी की एनबीएफसी इकाई एसवीसीएल ने अब तक कुल 19 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवाएं दी है।

राशिफल

	मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान रहेगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। तरक्की के योग हैं।
	मन थोड़ा परेशान हो सकता है। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जाना हो सकता है।
	आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। कारोबारी कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु परिश्रम भी अधिक रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। सेहत का ध्यान रखें।
	वाणी में मधुरता रहेगी। किसी राजनेता से भेंट हो सकती है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। कार्यभार में वृद्धि हो सकती है।
	आत्मविश्वास भी बहुत रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भीटे खानपान में रुचि बढ़ेगी। खर्च बढ़ेगे। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।
	किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति बन सकती है।
	मन में उतार-चढ़ाव रहेगे। कारोबार में सुधार होगा। कारोबार के विस्तार के लिए पिता से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। शैक्षिक कार्यों में सफलता के योग हैं।
	किसी मित्र से कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है। कारोबार से लाभ के अवसर भी मिल सकते हैं। यात्रा के सुखद परिणाम मिलेंगे।
	आत्मविश्वास से लबरेज तो रहेंगे, परन्तु मन अशान्त भी हो सकता है। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी, परन्तु परिश्रम अधिक रहेगा।
	संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं पाव-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं।
	आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु मन में उतार-चढ़ाव भी रहेगे। परिवार का साथ मिलेगा। सेहत का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंता परेशान करेगी।
	मन में उतार-चढ़ाव रहेगे, परन्तु आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। खर्च अधिक रहेगा। मित्रों से भेंट होगी।

चीन ने बना डाला ‘एंथ्रोपिक माइथोस’ जितना पावरफुल मॉडल, अमेरिका को झटका

एजेसी ►► नई दिल्ली

एआई मॉडल की रेस में चीन लगातार सरप्राइज दे रहा है। पहले डीपसी मॉडल के साथ तहलका मचाने वाले चीन ने एक और धमाके की तैयारी कर ली है।

रिसर्चर का कहना है कि चाइनीज स्टार्टअप जिनिफिक एआई ने एक नया जीएलएम्-5.2 मॉडल तैयार किया है, जो बग दूढ़ने के मामले में एंथ्रोपिक के पावरफुल माइथोस मॉडल को टक्कर दे सकता है। रिपोटर्स के मुताबिक, झिंपु एआई ने इसी महीने अपने जीएलएम्-5.2 मॉडल को

चीन लगातार एआई मॉडल की रेस में सरप्राइस दे रहा

अमेरिकी कंपनियों के लिए बजी खतरे की घंटी

जीएलएम्-5.2 को लेकर हैरान कर देने वाले दावे ऐसे समय सामने आए हैं, जब दुनियाभर की कंपनियां सरसे एआई मॉडल की तरफ देख रही है। माइक्रोसॉफ्ट समेत कई कंपनियां इस बात पर विचार कर रही हैं कि क्या उन्हें अपने प्लेटफॉर्म पर चाइनीज एआई मॉडल अवेलेबल करवाने चाहिए। अगर यह ट्रेंड जोर पकड़ता है तो कंपनियों का झुकाव चाइनीज मॉडल्स की तरफ होगा और यह अमेरिकी कंपनियों के लिए खतरे की घंटी बन सकता है।



गलत हाथों में पड़ जाए तो खतरा

जीएलएम्-5.2 एक ओपन वेट मॉडल है। इसका मतलब है कि यूजर बिना किसी क्लौड एक्सेस के इसे अपने डिवाइस पर डाउनलोड, मॉडिफाई और रन कर सकते हैं। इससे डेवलपर्स और एंटरप्राइजेज को ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी मिलती है, लेकिन अगर यह गलत हाथों में पड़ जाए तो इसके खतरे भी हैं।

रिलीज किया है। इसे जेड आई भी कहा जा रहा है और सॉफ्टवेयर में खामियां ढूंढने के मामले में यह कई अमेरिकी मॉडल को टक्कर दे सकता है। हालांकि, रीजनिंग और जनरल एआई कैपेबिलिटीज को लेकर यह ओपन एआई और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियों से पीछे है, लेकिन जानकारों का मानना है कि साइबर सिक्योरिटी के फ़ील्ड में अब अमेरिकी और चाइनीज मॉडल में अंतर लगातार कम होता जा रहा है।

मुकाबले में किसने मारी बाजी ?

ओपन राउटर ने चाइनीज मॉडल को दुनिया के 10 सबसे ज्यादा यूज होने वाले एआई मॉडल्स में शामिल किया है। साइबर सिक्योरिटी कंपनी सेमग्रोप ने भी पाया कि कई बेचमार्क टेस्ट में चाइनीज मॉडल ने एंथ्रोपिक के क्लौड ओप्स 4.8 मॉडल को पछड़ दिया था।

केंद्रीय बैंक ने जारी किए आंकड़े

भारत का विदेशी कर्ज बढ़कर 762.8 अरब डॉलर : आरबीआई

एजेसी ►► मुंबई

देश का कुल विदेशी ऋण मार्च, 2026 के अंत तक बढ़कर 762.8 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले की तुलना में 26.3 अरब डॉलर अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

‘मार्च, 2026 के अंत तक भारत का विदेशी ऋण’ संबंधी आंकड़ों के अनुसार, भारतीय रुपये तथा अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के कारण 24.6 अरब डॉलर का मूल्यांकन प्रभाव दर्ज किया गया।

विदेशी ऋण और जीडीपी का अनुपात बढ़ा है

आरबीआई ने कहा, “यदि इस मूल्यांकन प्रभाव को शामिल न किया जाए, तो मार्च, 2025 की तुलना में मार्च, 2026 के अंत तक विदेशी ऋण में 26.3 अरब डॉलर के बजाय 51 अरब डॉलर की वृद्धि होती। केंद्रीय बैंक ने यह भी बताया कि विदेशी ऋण और सकल

सरकार का बकाया कर्ज घटा है

इसके बाद भारतीय रुपये (29.4 प्रतिशत), येन (6.4 प्रतिशत), एसडीआर (विशेष आहरण अधिकार) (4.3 प्रतिशत) और यूरो (3.7 प्रतिशत) में दर्ज कर्ज का स्थान रहा। आरबीआई ने बताया कि एक साल पहले के स्तर की तुलना में मार्च, 2026 के अंत में सामान्य सरकार का बकाया कर्ज घटा है, जबकि गैर-सरकारी कर्ज में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।



- आरबीआई ने जारी आंकड़ों में दी जानकारी
- एक वर्ष पहले की तुलना में 26 .3 अरब डॉलर अधिक है
- अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से मूल्यांकन प्रभाव दर्ज किया गया

घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुपात मार्च, 2026 के अंत में बढ़कर 20.8 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 19.8 प्रतिशत था।

दीर्घकालिक ऋण 613.5 अरब डॉलर रहा

आरबीआई के अनुसार, मार्च, 2026 के अंत में दीर्घकालिक ऋण (एक वर्ष से अधिक की मूल परिपक्वता वाला) 613.5 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.6 अरब डॉलर अधिक है।

- सोना बढ़कर हुआ 1,46 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम
- चांदी टूटकर 2,24,000 रुपए प्रति किलो ग्राम

सोने में 1,300 रुपए की तेजी और चांदी 2,000 रुपए टूटी

एजेसी ►► नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोमवार को कारोबारियों की ओर से कम कीमत पर लिवाली बढ़ाने के कारण सोने की कीमतों में 1,300 रुपये का सुधार दर्ज हुआ और यह 1.46 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जिससे इसमें तीन दिन से जारी गिरावट का सिलसिला



थम गया। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,300 रुपये बढ़कर 1,46,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई, जबकि बृहस्पतिवार को यह 1,45,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 'मुहर्रम' के कारण शुक्रवार को सराफा बाजार बंद थे।

एक्सिस बैंक के सीएफओ शर्मा ने दिया इस्तीफा

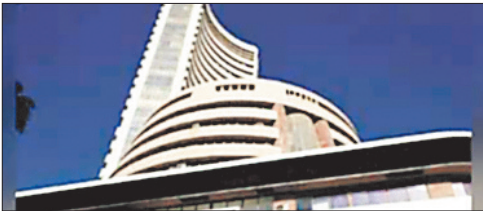
नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक के मुख्य वित अधिकारी (सीएफओ) पुनीत शर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। शर्मा ने अपने पेशेवर जीवन की यात्रा के अगले चरण को आगे बढ़ाने के लिए इस्तीफा देने का फैसला किया है। बैंक ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूचना में कहा कि 31 अगस्त, 2026 को कामकाज का समय समाप्त होने के बाद सेवाओं से मुक्त कर दिया जाएगा। इसके बाद वह बैंक के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक और वरिष्ठ प्रबंधन का हिस्सा नहीं रहेंगे।



पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से बाजार में गिरावट

एजेसी ►► मुंबई

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ने और कच्चे तेल के दाम में तेजी से सोमवार को स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। बीएसई सेंसेक्स 372 अंक टूटा, जबकि एनएसई निफ्टी 110 अंक के नुकसान में रहा। कारोबारियों के अनुसार, इसके अलावा कुछ शेयरों में मुनाफावसूली तथा आईटी, वाहन और पेट्रोलियम शेयरों में बिकवाली दबाव से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 372.10 अंक टूटकर 76,728.37 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 478.72 अंक तक लुढ़क कर 76,621.75 अंक



पर आ गया था। निफ्टी 109.75 अंक के साथ 23,946.25 अंक पर बंद हुआ। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पौनमुड़ी आर ने कहा, “सप्ताहांत वैश्विक स्तर पर तनाव तेजी से बढ़ा। तनाव कम करने और बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत होने से पहले अमेरिका और ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास एक-दूसरे पर हमले किए। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुआ।

शब्द पहेली - 6272

1	2	3	4	5	6
7			8		9
		10			
13			14	15	16
		17		18	
19	20	21	22	23	24
			25		
26	27	28		29	
	30	31	32	33	
34	35	36		37	
38			39		

- बाएँ से दाएँ-**
1. दयालु, उदार-5
 4. गगन, आकाश-4
 7. सरिता-2
 8. चोगा, गाऊन-3
 9. छुट्टी, अवकाश-2
 10. आबे हयात, काबा कूप-4
 11. रिहा-2
 13. खाना, भोजन करना-3
 14. ज़िंद-2
 15. हिम्मत, बल-3
 17. कारागार-2
 19. इसे आजम, सूरी-5
 22. दुल्हनाना, डाढ़टना-5
 25. सराबोर-2
 26. भोर, सबेर-3
 28. मूल्य, कीमत-2
 29. महीन, बहुत छोटा-3
 30. फूंक, दम, सुझा-2
 32. झंकार, प्रतिध्वनि-4
 34. उष्णता, ज्वर-2
 36. ओट, चिलमन-3

37. छोटा टुकड़ा-2
38. सराबोर, सना हुआ-4
39. निर्माता, रचना करने वाला-5
- ऊपर से नीचे
1. कैदी, बंधक-2
2. मुलायम-3
3. यात्री पोत, तैरता होटल-5
4. उर्दू में अधिवाद-3
5. पिटाई, चोट-2
6. नाजुकता-4
7. नया जीवन-5
10. मर्यादा-4
12. खाली, रिक्त-2
16. लाईन, पंक्ति-3
17. गर्मी का महीना-4
18. उदर-2
20. दीनहीन, दरिद्र-3
21. नष्ट, अहितभाव-2
23. व्यवसाय, धंधा-4
24. नाम रखना-2,3
25. होशियार-5

अ	ब	क	ख	ग	घ	ङ	च	ट	ड	ध	ढ	ण	त	थ	द	ध	न
क	ख	ग	घ	ङ	च	ट	ड	ध	ढ	ण	त	थ	द	ध	न	अ	इ
अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ
अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ
अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ
अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ
अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ
अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ	ए	ओ	अ	इ	उ

सूडोकु नवताल 6282										*** **									
5										8									
7										3 5									
3										6									
6										8 5									
4 2										1									
1										3									
7 4										7									
2										8 5									
5 7 4 1 3 9 6 2 8										2 8 9 6 5 7 1 4 3									
3 6 1 2 8 4 5 7 9										9 3 7 8 1 6 4 5 2									
6 5 8 4 9 2 3 1 7										1 4 2 5 7 3 8 9 6									
7 9 6 3 4 1 2 8 5										4 2 5 9 6 8 7 3 1									
8 1 3 7 2 5 9 6 4										5 7 4 1 3 9 6 2 8									

नियमित और संविदा मिलाकर राज्य में केवल 355 विशेषज्ञ डाक्टर, 1418 पद खाली

2330 एमबीबीएस के पीछे सिर्फ 435 पीजी सीटें, इसलिए विशेषज्ञों का संकट

हरिभूमि न्यूज▶▶। रायपुर

चिकित्सा शिक्षा का बड़ा असंतुलन स्वास्थ्यगत ढाँचे को सही नहीं कर पा रहा है। राज्य के 2330 एमबीबीएस के चिकित्सा विशेषज्ञ बीने के लिए मेमोरिडल कालेजों में केवल 435 सीटें हैं। पर्याप्त संख्या में एमडी-एमएस के डाक्टर तैयार नहीं होने की वजह से राज्य में इनका टोटा खत्म नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में राज्य में चिकित्सा विशेषज्ञों के 1773 पद स्वीकृत हैं, जिसमें से 1418 खाली हैं और महज 355 कार्य कर रहे हैं।

राज्य के दूरवर्ती दस जिले ऐसे हैं, जहाँ एमडी-एमएस डाक्टरों की नियुक्ति की औपचारिकता पूरी की जा रही है, इनकी संख्या पांच से भी कम है। स्वास्थ्य विभाग इनकी कमियाँ पूरी करने के लिए संविदा आधार पर भर्ती का लगातार प्रयास कर रहा है, मगर विभिन्न समस्याओं की वजह से संकट दूर होने का नाम ही नहीं ले रहा है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में चिकित्सा अधिकारियों की कोई कमी नहीं है और यहां स्थानीयकृत पदों में दस प्रतिशत से भी कम पद खाली हैं। दूसरी ओर सर्जन और विशेषज्ञ डाक्टरों की बात की जाए, तो शासकीय सेक्टर में इनकी उपलब्धता केवल बीस फीसदी है। इनके 80 प्रतिशत संकट खत्म नहीं होने की वजह चिकित्सा महाविद्यालयों में पर्याप्त संख्या में पीजी सीटों का नहीं होना है। निजी और शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के एम्बुलीएस की पढ़ाई करने वाले 2330 विद्यार्थियों में से महज 5 प्रतिशत यानी 435 लोगों को चिकित्सा विशेषज्ञ बनने का मौका मिल पा रहा है।

**दस जिले ऐसे जहां पांच पीजी डाक्टर भी नहीं
सफल नहीं हो रहा संविदा भर्ती का प्रयास**



दो साल की इयटी का बांड तोड़ने वाले कम नहीं

विकिसूचना शिक्षण से जुड़े सूत्रों के सुताबिक शासकीय विकिसूचना महाविद्यालयों में पीजी की पढाई करने वाले डाक्टरों को बांड ड्यूटी करनी पडती है। इस दबाव उनको नियुक्ति देने से स्थायिक केदों में भी जाती है, जहां सजरी अथवा स्पेलिटिटी सेवाओं की जरूरत नहीं होती। दो साल की लंबे लंबी अवधि से बचने और अपनी योग्यता का उपयोग नहीं करने का हवाला देकर काफी संख्या में डाक्टर बांड नियम तोड़कर बांड राशि जमा कर देते हैं। हर साल बांड ड्यूटी नहीं करने वाले डाक्टरों की विमागिरी तौर पर लंबी सूची जारी की जाती है।

नियमित होने का
अभाव, निजी में
बड़ा पैकेज भी

सूरी का कहना है कि शासकीय अस्पतालों में निमित्तित होना का मौका काफी कम होता है। इसकी वजह से भी चिकित्सा व्यवस्था शासकीय सेवा में आने से कतराते हैं। दूसरी ओर निजी सेक्टर में उनकी योग्यता के आधार पर बड़ा पैकेज आसानी से मिल जाता है। इसके अलावा अन्य राज्यों में स्थानीय नियमित सौ भी उन्हें अपनी ओर आकर्षित करती है। राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों में कई बार डाक्टरों द्वारा व्यक्तिगत वजह बताकर नौकरियों से इस्तीफा देने की बाधा सामने आती है।

सिविल सोसाइटी दे चुकी सुझाव

विकित्सा विशेषज्ञों की कमी दूर करने के लिए पिछले दिनों छत्तीसगढ़ सहिल सोसाइटी के संजयक डा. कुलदेव सोलंकर ने विभिन्न तरह के सुझाव विभागीय अधिकारियों को भेजा था। विकित्सा महाविद्यालयों में व्यवस्था दुरुस्त कर पीजी की ज्यादा सीटों लाने के साथ डाक्टरों को सम्मानजनक वेतन के साथ नियमित भर्ती का काम के साथ पदोन्नति का लाना देने का तर्क दिया है। इसके अलावा इनकी बांड रोक कर करने शामिल था। इसके लिए तय किए गए नियमों को शिथिल करने शानेल था।

जिलाध्यक्षों के 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

बैज ने कहा- प्रदेश में दिखेगी नई और आक्रामक कांग्रेस

शायपुर। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने अभनपुर में आयोजित 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन हो गया। 20 से 29 जून तक चले इस शिविर में प्रदेश के सभी 41 नव-नियुक्त जिला कांग्रेस अध्यक्षों को संगठन से लैकर जनसंपर्क, जनआंदोलन



और राजनीतिक रणनीति तक का व्यापक प्रशिक्षण दिया गया।

अग्रवाल भवन, अभनपुर दस
मिन्तों तक कांग्रेस के संगठनात्मक
कार्यवाही का केंद्र बना रहा, जहां जिला
अध्यक्षों को केवल संगठन की
कार्यप्रणाली ही नहीं, बल्कि जनता
से सीधा जुड़ाव और जमीनी
राजनीति की बारीकियों से भी
अवगत कराया गया। प्रदेश कांग्रेस
अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, 10 दिन
का प्रशिक्षण बेहद सफल रहा।

उन्होंने कहा, जब सभी जिले अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में लौटेंगे तो प्रदेश में एक नई, आक्रामक कांग्रेस देखने को मिलेगी। प्रशिखर के अंतिम दिन प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने जिले अध्यक्षों को राष्ट्रीय अध्यक्ष खड्गे द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र दिया।

राष्ट्रीय नेतृत्व - दिया सीधे
मार्गदर्शन - शिविर की खास बा
याह रही कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्
सीधे जिला अध्यक्षों से संवा
किया। 21 जून को लोकसभा में ने
प्रतिपक्ष राहुल गांधी शिविर में पहुंच
और संगठन की स्थिति पर विस्त्
से चर्चा की। उन्होंने जिला अध्यक्षों
से बूथ स्तर तक संगठन मजबू
करने, जनता के बीच सक्रिय रह
और गुटबाजी से दूर रहकर काम
करने की अपील की।

सचिन राव की टीम ने दिया संगठनात्मक प्रशिक्षण

22 जून तक विमानों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण विभाग के प्रमुख सचिव राज और उनकी टीम ने काँग्रेस सत्रों के माध्यम से जिलाध्यक्षों को संयोजन संचालन, जनसंपर्क, नेतृत्व विकास, राजनीतिक रणनीति और फौल्ट वर्क को जानकारी दी। 26 जून को प्रवेश प्रमारी सचिव पायलट ने संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं से संवाद और आगामी राजनीतिक कृतिविताओं पर मार्गदर्शन दिया। 27 जून को संगठन महासचिव दिव्य केशी वेणुगोपाल ने जिला अध्यक्षों को बुध रविवार तक संगठन मजबूत करने और ज्यादादेख नेतृत्व तैयार करने का संदेश दिया। 28 जून को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने शिविर में भाग लिया और महिलाओं को भागीदारों, सामाजिक न्याय और जनअंदोलन में कांग्रेस की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।

नवीन की नई कार्यकारिणी की कवायद अंतिम चरण में, छत्तीसगढ़ को दो पद मिलने की संभावना

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी नवीन की कार्यकारिणी बनाने की कवायद अब आँखों चर रहे हैं। कार्यकारिणी का जल्द से जल्द ऐलान होने संभावना है। जिन राज्यों में अगले साल चुनाव वाले हैं, उन राज्यों के नेताओं को कार्यकारिणी महत्व तो मिलेगा ही, साथ ही उन राज्य छत्तीसगढ़ को कार्यकारिणी में दो पद मिलने संभावना है। छत्तीसगढ़ के लिए एक नेता को महामंत्री और एक उपाध्यक्ष या फिर राष्ट्रीय मंत्री पद दिए जाने की संभावना है।

के आधा दर्जन से ज्यादा नेताओं के नाम इसको ल चर्चल रहे हैं। एक-दो नेताओं को कार्यकारिणी का स भी बनाया जा सकता है। इसी के साथ इस बार प्रदेश की कार्यकारिणी के राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी जिम्मा मिल सकता है।

छत्तीसगढ़ के अलग राज्य बनने के बाद स छत्तीसगढ़ को हमेशा भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में न कोई पद मिलता रहा है। छत्तीसगढ़ को प्रधान नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह से लेकर राष्ट्रीय नेता बहुत अहमियत देते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्षों का भी छत्तीसगढ़ से लगाव रहा है। छत्तीस

के लिए यह सीमाभित्त को बात है कि भाजपा के इस बरत ने नर अथ्यक्ष निजितन नवीनी भी छत्तीसगढ के प्रभारी हैं। इसके पहले राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा भी छत्तीसगढ के प्रभारी रहे और वे भी राष्ट्रीय अथ्यक्ष बने। इनके राष्ट्रीय अथ्यक्ष बनने पर छत्तीसगढ को महत्व भी मिला। निजितन नवीन के राष्ट्रीय अथ्यक्ष बनने के बाद प्रदेश के कई नेताओं को बंगाल, असम के चुनाव में अहम जिम्मेदारी दी गई थी। इसी के साथ राज्यसभा के चुनाव के लिए भी प्रदेश के नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दी गई। अब ऐसे नेताओं को उनकी मेहनत का इनाम देने की तैयारी है।

ये नेता रहे हैं पदाधिकारी

सरोजन पांडेय राष्ट्रीय महानगरी रही हैं। वह भाजपा की राष्ट्रीय महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहें हैं। करुणा शुक्ला भी राष्ट्रीय महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रहने के साथ ही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी रहें हैं। रामनिवास नेमगुज जंजना मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं, वहीं वे राष्ट्रीय अंजना भी रहे हैं। इस समय सरोजन पांडेय और लता उसैदी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। एक समय में राष्ट्रीय संठन में डॉ. रमन सिंह, सरोजन पांडेय और लता उसैदी तीन उपाध्यक्ष थे। 2023 में विधानसभा का चुनाव जीतने के बाद जब प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी और डा. रमन सिंह विधानसभा अध्यक्ष बने तो उन्होंने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद से इस्तीफा दिया। इस समय धरमलता कौशिक और अंजय दत्तकर राष्ट्रीय कार्यकारिणी में सदस्य हैं।

दावेदारों में इनके नाम

अब निजिन नवीन की बड़ी कार्यकारिणी भी मैं प्रदेश के नेताओं को अहमियत मिलेगी। श्री नवीन प्रदेश के हर नेता के बारे में जानते हैं, ऐसे में वे किसी भी नेता को बड़ी जमाने जमाने दे सकते हैं। श्री नवीन की टीम में प्रदेश के बंगल चहरोरों को मौका मिल सकता है। प्रदेश के बड़े नेता श्री नवीन के करीबी हैं। बंगाल चुनाव में जहाँ एक तरफ प्रदेश के बड़े नेताओं को कमान दी जाई थी, वहीं प्रदेश के सौरभ सिंह और साय गर्ग को निजिन नवीन की टीम में रखा गया था। इस समय निजिन नेमो की दावेदारी के रूप में है, उनके डाक्टरों की सौख्य विजय शर्मा, राजनदीगवाँ के सौख्य सलीष पांडेय, महारुमण की सासुर रूप कुमारी चौधरी, राधरुमा सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विशाखा गोमती साय, सुशान सिंह और सौरभ सिंह का नाम मुख्य है। इन्होंने से किसी को भी महसूसी, कीनी या उपदेशक बनाया जा सकता है। इसी के साथ यह बात भी सामने ला रही है कि इस बार उत्तीरागद के किसी को उत्तीरागद से नींदिया प्रमारी भी बनाया जा सकता है।मध्य क्षेत्र के यह निजिन उत्तीरागद को मिलने की संभावना है।

अफसरों की टीम बनाकर कलेक्टर विवादित भूमि का सीमांकन कराएं

बिलासपुर। छात्रीसंगद बिलासपुर हाईकोर्ट के जस्टिस एके प्रसाद ने राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए बिना भू-आविधिकरण प्रक्रिया ओर बिना भू-आवजन किए किसान की कृषि भूमि का उपयोग करने के आरोपों पर बड़ा आदेश दिया है। कोर्ट ने बिलासपुर कलेक्टर की निर्देशिका देना है कि वे राजस्व अधिकारियों की एक टीम बनाकर 30 दिनों के भीतर विवादित भूमिका का नए सिरे से सीमांकन कराए। याचिकाकर्ता सीमा शर्मा ने छात्रीसंगद बिलासपुर हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। याचिका के अनुसार, वे बिलासपुर जिले के बोखरी तहसील के गाम मुढीपार में स्थित खसरा नंबर 352/5 की 0.25 एकड़ कृषि भूमि की स्वामी हैं। याचिकाकर्ता ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है, राष्ट्रीय राजमार्ग प्रधिकरण और राजस्व अधिकारियों ने भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रक्रितिक और पारदर्शिता का अधिकार अतिक्रमण, 2013 के तहत किसी भी कानूनी प्रक्रिया को शुरू किए बिना और बिना भूआवजन दिए, उनकी उपजाऊ जमीन पर नेशनल हाईवे का निर्माण कर दिया। याचिकाकर्ता ने बाजार मूल्य के अनुसार 18% ध्याज के साथ भूआवजन और पुनर्वास लाभ की मांग की थी। याचिका की सुनवाई जस्टिस एके प्रसाद के सिंगल बेंच में हुई। सुनवाई के दौरान राय सरकार और याचिकाकर्ता के अधिवक्ताओं ने संयुक्त रूप से सहमति जताई कि इस याचिका की मुख्य विषयता जमीन की सही पहचान और स्थिति को लेकर है। यदि राजस्व अधिकारियों द्वारा इस जमीन का देबारा निष्पक्ष सीमांकन करा लिया जाए, तो यह सफा हो जाएगा कि क्या वाकई याचिकाकर्ता की जमीन हाईवे निर्माण की जगह में आई है या नहीं।

मानवीय पहलुओं के प्रति सूक्ष्म जागरूकता थी जस्टिस रजनी दुबे को- चीफ जस्टिस



■ जस्टिस श्रीमती रजनी दुबे की सेवानिवृत्ति के अवसर पर उनके सम्मान में विदाई कार्यक्रम का आयोजन

बढ़ाया और वे अपनी सूर्यपता, संतुलित दृष्टिकोण तथा विधि के शासन के प्रति सम्मान के लिए प्रसिद्ध हैं। इस अनुसंधान पर छात्रोंवादा उच्च व्याख्यान के समस्त व्याख्यान, ज्योत्स्न श्रीमती राजनी दुबे के परिचय के सदस्य, महाधिवक्ता, अध्यक्ष राज्य विधिक परिषद, अध्यक्ष उच्च व्याख्यान अधिवक्ता संघ, उप-सॉलिसिटर जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता अधिवक्ता, प्रमुख सचिव विधि एवं विधायी कार्य-विभाग, रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री, व्याधिक अकादमी, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के व्याधिक अधिकारी, प्रशासन एवं पुलिस अधिकारी, उच्च व्याख्यान के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जून 2018 में बनीं थीं हाईकोर्ट की जस्टिस

जस्टिस श्रीमती रानी दुबे ने अपने उद्घोषण में ईश्वर, मुख्य न्यायाधीश एवं सभ्य न्यायाधीशों द्वारा न्यायालय बिलारपुर, परिवार, न्यायिक अधिकारीगण, सहयोगियों, अधिवक्ताओं एवं न्यायालय परिवार के प्रांत आमार व्यक्त करते हुए अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए। यह उल्लेखनीय है कि जस्टिस श्रीमती रानी दुबे को जन्म 30 जून, 1964 को जलपापुर (मध्य प्रदेश) में हुआ। जस्टिस श्रीमती रानी दुबे ने मंडला से स्नातक और रानी दुर्गावती विध्वंशविद्यालय, जलपापुर से एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। तथा वर्ष 1987 में मध्य प्रदेश राज्य बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत होकर मई 1990 तक जिला अदालत और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में वकालत की। वर्ष 1990 में सिविल जज के रूप में चयनित होने के बाद मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के अपेक्षित न्यायालयों में विभिन्न पदों पर सेवाएं दीं। इस दौरान उन्होंने सागर, जलपापुर और बिलारपुर में न्यायिक मजिस्ट्रेट धम प्रदीप, किशोर न्याय बोर्ड की प्रथम मजिस्ट्रेट और अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश रही। जस्टिस श्रीमती रानी दुबे रायपुर में विशेष न्यायाधीश (सीबीआई), राजनंदगांव में परिवार न्यायालय की न्यायाधीश, बलौदाबाजार में जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलारपुर में रेजिस्ट्रार (सर्कटा) के पदों पर कार्यरत रही। 18 जून 2018 को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की न्यायाधीश के रूप में पदेनतन हुई और 11 मई 2020 को स्थायी न्यायाधीश के रूप में कार्यरत रही।

कुल 18,775 से अधिक मामलों का निराकरण

वीच जस्टिस ने कहा कि अपने समूपूर्ण व्यापिक जीवन में व्यावसायिक श्रीमती रानी दुर्बे ने अद्भुत बुद्धिमत्ता, निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। उनका दृष्टिकोण केवल कानून की गहरी समझ को दर्शाता था, बल्कि व्यापक के मानवीय पहलुओं के प्रति उनकी सूक्ष्म जागरूकता को भी प्रकट करता था। उनका आचरण युवा व्यापिक अधिकारियों के लिए प्रेरणास्रोत है। चीफ जस्टिस ने कहा कि अपने कार्यकाल में श्रीमती व्यावसायिक रानी दुर्बे ने विधि के विभिन्न क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान दिए।

इस दौरान उन्होंने पीठ में 537 तथा खंडपीठ में 151 प्रकाशित निर्णय सहित कुल 18,775 के अधिक मामले का सुफलानपूर्वक निवारण किया। यह संख्या उनके विशाला योगदान को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। दूसरी भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके निर्णय निष्पक्षता, संवेधानिक नैतिकता और कानून के शासन में निहित व्यापिक दर्शन को दर्शाते हैं।

 साऊथ ईस्टर्न कोलफील्स लिमिटेड "मिनी रत्न कम्पनी" (कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)					
सूचना					
इस प्रकाशन के माध्यम से यह सूचित किया जाता है कि एसईसीएल गटगांव क्षेत्रान्तर्गत शिवाजी भूमिगत खदान के खनन कार्य हेतु ग्राम बंशीपुर के निम्नलिखित भू-विस्थापितों एवं उनके द्वारा नामित आबित/उम्मीदवार को एसईसीएल में रोजगार प्रदान करने हेतु एसईसीएल मुख्यालय, विलासपुर से स्वीकृति प्राप्त किये जाने बाबत औपचारिकताएँ यथाशीघ्र प्रारम्भ किया जायेगा। तत्सम्बंध में भूस्वामियों एवं प्रस्तावित व्यक्तियों द्वारा सही नाम का शपथ पत्र कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। अतः जन साधारण के लिए निम्न तालिका में जानकारी प्रकाशित की जा रही है :-					
स. क्र.	1A & 1B भूमि संबंधी एवं अन्य दस्तावेजों में भू-स्वामी का नाम	खसरा नं०	रकबा (है०)	उम्मीदवार का वास्तविक नाम प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुसार	रोजगार हेतु नामांकित उम्मीदवार व्यक्तिगत के दस्तावेजों में नाम
1	2	3	4	5	6
1	1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - (अ) बुधमान सिंह आ० सुन्दर (ब) गुलाब सिंह आ० सुन्दर (स) लोरी पति सुन्दर राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - (अ) बुधमान सिंह आ० सुन्दर (ब) गुलाब सिंह आ० सुन्दर (स) लोरी पति सुन्दर राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - (अ) बुधमान सिंह पिता सुन्दर (ब) गुलाब सिंह पिता सुन्दर (स) लोरी पति सुन्दर आधार कार्ड में नाम - (अ) बुधमान सिंह आ० सुन्दर साय (ब) गुलाब सिंह आ० सुन्दर (स) लोरी पति सुन्दर वोटर कार्ड में नाम - (अ) बुधमान सिंह आ० सुन्दर (ब) गुलाब सिंह आ० सुन्दर (स) लोरी पति सुन्दर वंशवृक्ष में नाम - (अ) बुधमान सिंह आ० सुन्दर (ब) गुलाब सिंह आ० सुन्दर (स) लोरी पति सुन्दर	1473 1524P 1525P 1525P 1558 1558 1575 1578 1652 1672	0.44 0.02 0.15 0.55 0.20 0.33 0.05 0.45 0.65	1. मोहरसाय आ० बुधमान सिंह 2. लालमन सिंह आ० बुधमान सिंह	नामांकन में नाम - मोहरसाय आ० बुधमान सिंह वंश वृक्ष में नाम - मोहरसाय आ० बुधमान सिंह आधार कार्ड में नाम - मोहर साय आ० बुधमान सिंह मतदाता परिचय में नाम - मोहर साय आ० बुधमान सिंह जाति, प्रमाण पत्र में नाम - मोहर साय आ० बुधमान सिंह निवास प्रमाण पत्र में नाम - मोहर साय आ० बुधमान सिंह शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - MOHAR SAY S/O BUDHMAN नामांकन में नाम - लालमन सिंह आ० बुधमान सिंह वंश वृक्ष में नाम - लालमन सिंह आ० बुधमान सिंह आधार कार्ड में नाम - लालमन सिंह आ० बुधमान सिंह मतदाता परिचय में नाम - लालमन सिंह आ० बुधमान सिंह जाति, प्रमाण पत्र में नाम - लालमन सिंह आ० बुधमान सिंह निवास प्रमाण पत्र में नाम - लालमन सिंह आ० बुधमान सिंह शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - LALMAN SINGH S/O BUDHMAAN SINGH
योग (है०)-		2.84			
1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - आन्दोलन आ० तिलोचन राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - आन्दोलन आ० तिलोचन राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - आन्दोलन आ० तिलोचन आधार कार्ड में नाम - आन्दोलन आ० तिलोचन वोटर कार्ड में नाम - आन्दोलन गोंड आ० तिलोचन गोंड वंशवृक्ष में नाम - आन्दोलन आ० तिलोचन		1154/2 1581 1588/2 1635/2 1643/2 1648/2 1702/3	0.07 0.31 0.20 0.30 0.11 0.08 0.20	3. दलसिंगार आ० पवनसाय	नामांकन में नाम - दलसिंगार आ० पवनसाय वंश वृक्ष में नाम - दलसिंगार आ० पवनसाय आधार कार्ड में नाम-दल सिंगार कँवर आ० पवन साय कँवर जाति, प्रमाण पत्र में नाम-दल सिंगार कँवर आ० पवन साय कँवर निवास प्रमाण पत्र में नाम - दलसिंगार कँवर आ० पवन साय कँवर शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - NA
योग (है०)-		1.27			
1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - अर्जुन आ० सरजू राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - अर्जुन आ० सरजू राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - अर्जुन आ० सरजू आधार कार्ड में नाम - अर्जुन आ० सरजू वोटर कार्ड में नाम - अर्जुन आ० सरजू कँवर वंशवृक्ष में नाम - अर्जुन आ० सरजू		1451/1	1.25	4. गुलाब सिंह आ० सुन्दर	नामांकन में नाम - गुलाब सिंह आ० सुन्दर वंश वृक्ष में नाम - गुलाब सिंह आ० सुन्दर आधार कार्ड में नाम - गुलाब सिंह आ० सुन्दर मतदाता परिचय में नाम - गुलाब सिंह आ० सुन्दर जाति, प्रमाण पत्र में नाम - गुलाब सिंह आ० सुन्दर निवास प्रमाण पत्र में नाम - गुलाब सिंह आ० स्व. सुन्दर शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - GULAB SINGH S/O SUNDAR
योग (है०)-		1.25			
1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - दलसिंगार आ० पवनसाय राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - दलसिंगार आ० पवन साय राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - दलसिंगार आ० पवनसाय आधार कार्ड में नाम - दल सिंगार कँवर आ० पवन साय कँवर वोटर कार्ड में नाम - दल सिंगार कँवर आ० पवन साय कँवर वंशवृक्ष में नाम - दलसिंगार आ० पवनसाय		1341/2	0.20	5. श्यामलाल आ० गुलाब सिंह	नामांकन में नाम - श्यामलाल आ० गुलाब सिंह वंश वृक्ष में नाम - श्यामलाल आ० गुलाब सिंह आधार कार्ड में नाम - श्यामलाल आ० गुलाब सिंह मतदाता परिचय में नाम - श्यामलाल आ० गुलाब सिंह जाति, प्रमाण पत्र में नाम - श्यामलाल आ० गुलाब सिंह निवास प्रमाण पत्र में नाम - श्यामलाल आ० गुलाब सिंह शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - SHYAMLAL S/O GULAB SINGH
योग (है०)-		0.20			
1A & 1B के अनुसार भूमि स्वामी का नाम - पवनसाय आ० जयकरन राजस्व दस्तावेजों (ऋण पुस्तिका) में नाम - पवनसाय आ० जयकरन राजस्व दस्तावेजों (बी-1) में नाम - पवनसाय आ० जयकरन आधार कार्ड में नाम - पवन साय आ० जायकारण वोटर कार्ड में नाम - पवन साय कँवर आ० जयकरन कँवर वंशवृक्ष में नाम - पवनसाय आ० जयकरन		1341/1 1446/7	0.85 0.08	6. रामरतन आ० आन्दोलन 7. देवलाल पैकरा आ० अर्जुन 8. शोभनाथ पैकरा आ० दलसिंगार	नामांकन में नाम - रामरतन आ० आन्दोलन वंश वृक्ष में नाम - रामरतन आ० आन्दोलन आधार कार्ड में नाम - रामरतन आ० आंदोलन मतदाता परिचय में नाम - रामरतन आ० आंदोलन जाति, प्रमाण पत्र में नाम - रामरतन आ० आंदोलन निवास प्रमाण पत्र में नाम - रामरतन आ० आंदोलन शैक्षणिक प्रमाण पत्र में नाम - RAMRATAN S/O ANDOLAN, MOTHER'S NAME - DASMET नामांकन में नाम - देवलाल पैकरा पिता श्री अर्जुन वंश वृक्ष में नाम - देवलाल पैकरा पिता श्री अर्जुन आधार कार्ड में नाम - देवलाल पैकरा पिता अर्जुन मतदाता परिचय में नाम - देवलाल पैकरा पिता अर्जुन जाति, प्रमाण पत्र में नाम - देवलाल पैकरा पिता अर्जुन निवास प्रमाण पत्र में नाम

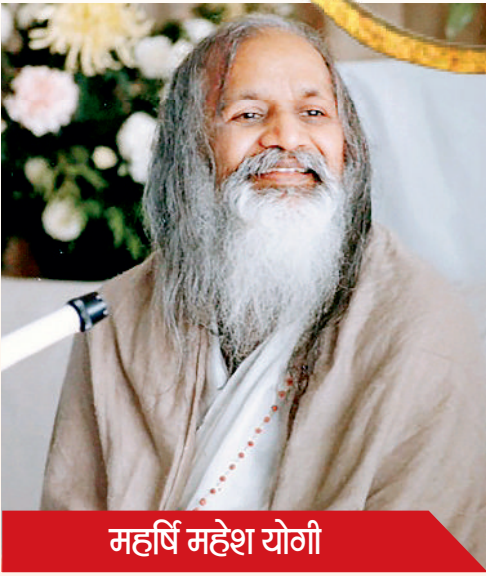
अतः किसी भी संकेचित व्यक्ति को इस पर आपत्ति हो तो अपना पूरा नाम हस्ताक्षर, पता एवं मूल दस्तावेजों/प्रमाणों के साथ इसकी लिखित शिकायत कायालय-उपक्षेत्रों प्रबंधक, कल्याण उपक्षेत्र, एराईसीड होटल गार्डन क्षेत्र, पोअं0म0 मधवगंज कॉलनी, तहसील-प्रातापपुर छगग0 मे इसा सूचना के साथ दिवस के भीतर लिखित रूप से उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। अन्यथा रामयाथी के पश्चात प्रस्तुत नावा-आपत्ति माली नहीं होगा।

SECL/26-27/73

उपक्षेत्रीय प्रबंधक, कल्याणी उपक्षेत्र, एसईसीएल, भटगांव क्षेत्र

भारत की आध्यात्मिक परंपरा में कुछ नाम ऐसे हैं, जिन्होंने सीमाओं से परे जाकर पूरी दुनिया को भारतीय संस्कृति, योग और ध्यान की शक्ति से परिचित कराया। छत्तीसगढ़ के एक छोटे से गांव पांडुका में जन्मा एक साधारण बालक आगे चलकर विश्वभर में करोड़ों लोगों के लिए शांति और चेतना का प्रतीक बन गया। महेश प्रसाद श्रीवास्तव से महर्षि महेश योगी बनने तक की यह यात्रा केवल एक संत की कहानी नहीं, बल्कि भारत की उस वैदिक विरासत की कहानी है जिसने दुनिया को “भावातीत ध्यान” का मार्ग दिखाया। आज विरासत में बात उस महान आध्यात्मिक विभूति की, जिसने भारत को नई वैश्विक पहचान दिलाई और विश्व मंच पर देश का गौरव बढ़ाया।

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा



महर्षि महेश योगी

राजिम के पांडुका में जन्म जबलपुर से मिले संस्कार

राजिम के पास बसे पांडुका गांव में महर्षि जी के बचपन के शुरुआती दिन गुजरे। इन्हीं गलियों से निकलकर उन्होंने ध्यान और आध्यात्म के क्षेत्र में देश विदेश में ज्ञान की पताका फहराई। 12 जनवरी 1918 को पांडुका में पिता रामप्रसाद श्रीवास्तव के यहां एक बालक का जन्म हुआ। नाम रखा गया महेश। पिता राजस्व विभाग में नौकरी पर थे तो उन्हीं बचपन के दिनों में रामप्रसाद जी का तबादला जबलपुर हो गया। तबादला होने के बाद पूरा श्रीवास्तव परिवार जबलपुर के गोसलपुर आ गया। महर्षि का बचपन का पूरा हिस्सा यहीं बीता।



सम्मोहित करने वाले एक प्रवचन ने बदला जीवन

जबलपुर के हितकारिणी स्कूल में मैट्रिक पास करने के बाद महेश ने इलाहबाद विश्वविद्यालय से बीएससी किया। बीएससी के बाद गन कैरिज फैक्ट्री में उच्च श्रेणी लिपिक के पद नियुक्ति हासिल की। इसी दौरान एक ऐसा वाक्या हुआ जिसने महेश प्रसाद के जीवन को पूरी तरह बदलकर रख दिया। एक दिन महेश जी साइकिल से अपने बड़े भाई के घर जा रहे थे तभी गानों में किसी संत के समधुर प्रवचन की आवाज आई। उस सम्मोहन करने वाली आवाज के पीछे महेश प्रसाद खींचते हुए चले गए। महेश जी ने साइकिल वहीं रखी और प्रवचन में जाकर बैठ गए। प्रवचनकर्ता संत कोई और नहीं बल्कि स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती थे। स्वामी जी के प्रवचन में महेश अपनी सुधबुध खो बैठे। उनके मन में वैराग्य जाग्रत हो गया। इसी क्षण से उन्होंने अपना जीवन गुरु को सौंप दिया। उस दिन के बाद महेश जी कभी घर नहीं गए क्योंकि उनके लिए पूरा विश्व एक परिवार की तरह हो गया था। गुरु स्वामी ब्रह्मानंद जी से आध्यात्म साधना ग्रहण करने के बाद महेश जी भावातीत ध्यान की अलख जगाने के लिए दुनिया के भ्रमण पर निकल पड़े।



ध्यान क्रांति के जनक महर्षि महेश योगी



श्री मां आनंदमई के साथ महर्षि जी

दुनिया के विभिन्न देशों का दौरा

महर्षि ने पाँचों महाद्वीपों में ज्ञानोदय युग के उदय का शुभारंभ करने के लिए एक वैश्विक दौरे पर प्रस्थान किया महर्षि ने स्विट्जरलैंड में मेरु महर्षि यूरोपीय अनुसंधान विश्वविद्यालय की स्थापना की। इस वैश्विक उद्घाटन ने नए ज्ञान के युग की शुरुआत की। महर्षि ने हजारों वर्षों के बाद योग के संपूर्ण सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान को पुनर्जीवित किया, और इंटरलोकन और स्विट्जरलैंड के अन्य सुंदर क्षेत्रों में सैकड़ों प्रतिभागियों के साथ, महर्षि ने चेतना को 'सभी संभावनाओं के क्षेत्र' के रूप में जीवंत करने के लिए छह महीने के पाठ्यक्रम आयोजित किए। 1976 में महर्षि योगी ने चेतना के क्षेत्र में संप्रभुता और प्राकृतिक नियम की अजेय शक्ति में अधिकार के साथ ज्ञानोदय युग की विश्व सरकार का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य विश्व चेतना को शुद्ध करना और मानव जाति के मानव का मार्गदर्शन करना था। महर्षि जी ने योगिक उड़ान सहित पारलौकिक ध्यान सिद्धी कार्यक्रम का परिचय दिया जिसका उद्देश्य व्यक्ति के ज्ञानोदय की ओर विकास को गति देना है और विश्व चेतना को शुद्ध करना है। एक जानकारी के मुताबिक विश्व भर में पांच लाख से ज्यादा लोगों ने महर्षि के पारलौकिक ध्यान सिद्धि कार्यक्रम को सीखा था। महर्षि ने ज्ञानोदय युग के चार वार्षिक मौसमी त्योहारों की रचना की। साल 1977 में महर्षि ने 108 देशों में योगिक पर्व मेजकूर अपने आदर्श समाज अभियान का शुभारंभ किया। जहाँ भी वे पर्व गए, वहाँ की पुलिस ने अपश्रद्धा दूर में कमी लाने का श्रेय प्राप्त किया।



भावातीत ध्यान से करोड़ों का जीवन संवारा

महर्षि योगी ने भावातीत ध्यान के माध्यम से पूरी दुनिया को वैदिक वांगमय की संपन्नता की सहज अनुभूति कराई। नालंदा और तक्षशिला के अकादमिक वैभव को साकार करते हुए विद्यालय, महाविद्यालय व विश्वविद्यालय की परंपरा को गति दी। महर्षि जी की भावातीत ध्यान एक विशिष्ट व अनोखी शैली है, जो चेतना के निरंतर विकास को प्राप्त करने का मार्ग दिखाती है। योगी ने भारतीय संस्कृति के संदेशवाहक, आध्यात्मिक महापुरुष, विश्व बंधुत्व और आधुनिकता व संसार के महान समन्वयक होने का गौरव हासिल किया। नर्मदा के तट पर बसी ऋषि जाबालि की पवित्र नगरी जबलपुर से भावातीत उड़ान भरने वाली इस दिव्य विभूति ने अपने वैदिक ज्ञान से संपूर्ण विश्व को आलोकित किया वर्ष



1958 में, ऐसा एक व्यक्ति था जिसके पास लगभग कोई संसाधन ही नहीं थे। उसने अपने आध्यात्मिक गुरु की इच्छा पूरी करने हेतु दुनिया भर में यात्रा की। उसका उद्देश्य वह चिंता एवं दुःख को दूर करना था, जो पूरी मानवता को परेशान कर रहा था। लक्ष्य यह भी था कि सभी देशों में स्थायी खुशहाली का वातावरण स्थापित हो। वह, वेद द्वारा वर्णित

चेतना के सार्वभौमिक और शाश्वत ज्ञान पर आधारित, एक अत्यंत सरल ध्यान तकनीक की शक्ति में अद्वैत विश्वास रखते थे। यह ज्ञान उन्हें उनके गुरु, पूर्ववर्ती शंकराचार्य, स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती से प्राप्त हुआ था। उनके अनुयायी अक्सर उन्हें 'महर्षि' के नाम से पुकारते थे, और महर्षि अपनी इस महान परंपरा को फिर से स्थापित

करने और इसे सही रूप में पुनर्जीवित करने की दिशा में पहला कदम उठाते हैं। महर्षि महेश योगी ने पहले अनुभव पर ध्यान केंद्रित करके, इस ज्ञान को एक वास्तविक अनुभव बनाने के लिए, सभी संदेहों को प्रभावी ढंग से दूर कर दिया। यह ट्रांससेंटल मेडिटेशन (टीएम) की तकनीक है। यह एक आसान और सरल तकनीक है, जिसका उपयोग तनाव को दूर करने और उच्च स्तर की चेतना तक पहुंचने के लिए किया जा सकता है। यह तंत्र, बेहतर मस्तिष्क कार्य, अच्छे स्वास्थ्य और आदर्श व्यवहार के माध्यम से, जीवन के सभी पहलुओं- व्यक्तिगत और सामाजिक- के समग्र विकास में योगदान देता है। ट्रांससेंटल मेडिटेशन की तकनीक और प्रभाव, भगवद् गीता के उपदेशों द्वारा सटीक रूप से प्रमाणित हैं।

ब्रिटिश रॉक बैंड 'द बीटल्स' के साथ महर्षि महेश योगी



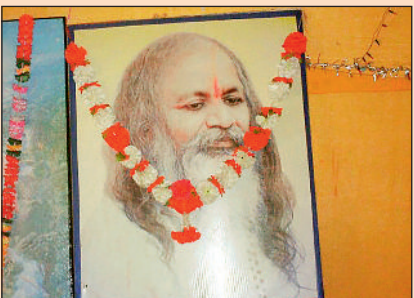
मशहूर ब्रिटिश रॉक बैंड 'द बीटल्स' और आध्यात्मिक गुरु महर्षि महेश योगी का संबंध 1968 का एक ऐतिहासिक अध्याय है। ऋषिकेश (उत्तराखंड) स्थित उनके आश्रम में बैंड के सदस्यों जॉन लेंन, पॉल मैकर्टनी, जॉर्ज हैरिसन और रिंगो स्टार ने तीन महीने बिताए थे। मानसिक शांति की तलाश में आए बीटल्स के सदस्यों ने यहां 'ट्रांससेंटल मेडिटेशन' सीखा था ऋषिकेश प्रवास के दौरान बाहरी दुनिया के शोर-शराबे से दूर, बैंड ने लगभग 40 से अधिक नए गाने लिखे थे

राम नाम की मुद्रा चलाई

महर्षि महेश योगी का प्रभाव इतना व्यापक हो गया था कि उनके संगठन ने हराभर नाम की एक वैकल्पिक मुद्रा भी जारी की। यह मुद्रा अक्टूबर 2002 में महर्षि की संस्था ग्लोबल कंट्री ऑफ वर्ल्ड पीस द्वारा जारी की गई थी। इसमें एक, पाँच और दस राम मूल्यवर्ग के रंगीन नोट शामिल थे। वर्ष 2003 में नीदरलैंड्स के केंद्रीय बैंक ने सीमित दायरे में इस मुद्रा को एक पूरक मुद्रा के रूप में मान्यता दी, जिसके बाद नीदरलैंड्स के कुछ शहरों और गांवों की चुनिंदा दुकानों में इसका उपयोग होने लगा। हालांकि यह पूरे देश की आधिकारिक राष्ट्रीय मुद्रा नहीं थी, बल्कि एक सीमित क्षेत्र में स्वीकार की जाने वाली वैकल्पिक मुद्रा थी।

अधूरी रह गई अंतिम इच्छा

महर्षि महेश योगी जीवन के आखिरी दिनों में भारत आना चाहते थे। महर्षि जी 1989 में आखिरी बार प्रयागराज आए थे। उन्होंने प्रयागराज आश्रम की नींव डाली थी। उसके बाद उन्होंने कई बार यहां आने का मन बनाया था। 13 जनवरी 2008 को नीदरलैंड स्थित आश्रम में अपने अनुयायियों से प्रयागराज आने की इच्छा जताई थी। उनके आने की प्रत्याशा में उस समय आश्रम में तैयारी भी शुरू हो गई थी। आश्रम में तब उत्साह था क्योंकि बीस वर्ष से वे भारत नहीं आए थे। लेकिन परमात्मा को कुछ और ही मंजूर था। 5 फरवरी 2008 को नीदरलैंड्स में महर्षि महेश योगी नश्वर देह को त्यागकर अनंत यात्रा पर चले गए। महर्षि जी के ब्रम्हलीन होने की समाचार मिलते ही आश्रम में शोक छा गया..विश्व भर में भावातीत ध्यान की अलख जगाने वाले महर्षि



महेश योगी की संगम तीरे शरीर छोड़ने की अंतिम इच्छा अधूरी रह गई थी। महर्षि महेश योगी ने कहा था कि 'मेरे न होने से कुछ नुकसान नहीं होगा। मैं नहीं होकर और भी ज्यादा प्रगाढ़ हो जाऊंगा। अपने इन शब्दों से महर्षि पहले से अधिक प्रासंगिक हो गए.. नौ

फरवरी को योगी का पार्थिव शरीर प्रयागराज लाया गया था। उनके पार्थिव शरीर को पहले अलोपीबाग स्थित ब्रह्मलीन गुरु ब्रह्मानंद सरस्वती के आश्रम में लाया गया था। यहां उनकी अंतिम यात्रा पर पुण्य वर्षा की गई इसके बाद पार्थिव शरीर अरैल आश्रम में ले जाया गया था। महर्षि जी को दो दिन तक सिद्धासन में बैठाकर आम लोगों के दर्शन को रखा गया था। 11 फरवरी को अंतिम संस्कार हुआ था। अंतिम संस्कार में देश विदेश से उनके हजारों अनुयायी यहां आए थे। आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर, अमेरिका के कई सीनेटर, समेत गणमान्य लोग महर्षि जी के अंतिम दर्शन को प्रयागराज आए थे। महर्षि जी ने संपूर्ण दुनिया को प्रशांति और सदाचार की शिक्षा दी और विश्व भर में भारत का नाम रोशन किया। इस महापुरुष का व्यक्तित्व अजर-अमर है।

महर्षि जी का योगिक प्लाइंग

महर्षि महेश योगी की ध्यानातीत साधना के साथ साथ योगिक प्लाइंग भी काफी प्रसिद्ध हुई। महर्षि के अनुसार ज्ञान साधक **TM** और **TM**-सिद्धि का नियमित अभ्यास करता है, तो मन अत्यंत सुख और शांत अवस्था में पहुंच जाता है। इस अवस्था में शरीर में ऊर्जा और हल्केपन का अनुभव होता है। इसी प्रक्रिया के दौरान साधक पद्मासन जैसी मुद्रा में बैठकर उछलता दिखाई देता है। इसे योगिक प्लाइंग का प्रथम चरण कहा जाता है। तीसरा चरण – हृच्छागुप्ता उड़ने की अवस्था। हालांकि सार्वजनिक रूप से केवल पहला चरण ही प्रदर्शित किया गया है। **यह कैसे किया जाता है?** महर्षि संगठन के अनुसार पहले ट्रांससेंटल मेडिटेशन सीखा जाता है। उसके बाद **TM**-सिद्धि कार्यक्रम का प्रशिक्षण लिया जाता है। विशेष मानसिक युक्तियों (सिद्धियों) का अभ्यास कराया जाता है। अभ्यास के दौरान साधक गर्हो पर बैठकर पद्मासन में उछलते हैं। महर्षि आंदोलन से जुड़े साधकों और शिक्षकों का कहना है कि इससे मानसिक शांति बढ़ती है। एकवृत्ता और स्मरण शक्ति में सुधार होता है। तनाव कम होता है। चेतना के उच्च स्तर का अनुभव होता है। समूह में अभ्यास करने से सामूहिक सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न होता है। महर्षि का कहना था कि योगिक प्लाइंग का उद्देश्य केवल उड़ना नहीं है। उनके अनुसार इसका वास्तविक लक्ष्य- चेतना का विकास, गहन आंतरिक शांति, और व्यक्ति तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

मंगलवार रात

7.55 बजे

छत्तीसगढ़ महतारी के गौरवशाली सपूत



महर्षि महेश योगी छत्तीसगढ़ महतारी के गौरवशाली सपूत थे। बचपन से ही उनका रुझान अद्यात्म, भारतीय संस्कृति और ज्ञान परंपरा की ओर था। आगे चलकर वे स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती के सम्निध्य में आए और उनके शिष्य बने। महर्षि महेश योगी ने दुनिया के अनेक देशों की यात्राएं कर भारतीय अद्यात्म का प्रचार-प्रसार किया। -अरुण साव, उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन

वैदिक ज्ञान को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाया



महर्षि महेश योगी जी ने भारतीय योग, ध्यान और वैदिक ज्ञान को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उन्होंने करोड़ों लोगों को ध्यान और आत्मिक शांति का मार्ग दिखाया तथा भारतीय सनातन संस्कृति की प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाई। -धरमलाल कौशिक, पूर्व विस अध्यक्ष

मधुर प्रवचन ने उनके जीवन की दिशा बदल दी



जबलपुर में गन कैरिज फैक्ट्री में नौकरी के दौरान एक दिन स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती के मधुर प्रवचन ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। पहली भेंट के बाद वे उनके शिष्य बने और आगे चलकर भावातीत ध्यान के माध्यम से भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान को विश्वभर में पहुंचाने वाले महान संत के रूप में प्रसिद्ध हुए। धर्मजीत सिंह, वरिष्ठ विधायक, तखतपुर

सनातन परंपरा महान प्रतिनिधि थे महर्षि जी



छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना को महर्षि महेश योगी ने अपने आज्ञाकारी प्रवचनों, ज्ञान और साधना से नई दिशा प्रदान की। वे केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि भारत की सनातन परंपरा के ऐसे महान प्रतिनिधि थे जिन्होंने भारतीय आध्यात्मिक ज्ञान को विश्वभर में प्रतिष्ठित किया। -सुशांत शुक्ला , विधायक, बेलतारा

पांडुका की पावन धरती पर लिया था जन्म



पांडुका की पावन धरती का यह सौभाग्य है कि यहीं महर्षि महेश योगी जी ने जन्म लिया। इस भूमि ने ऐसे महान संत और आध्यात्मिक गुरु को जन्म दिया, जिन्होंने भारतीय वैदिक ज्ञान और ध्यान परंपरा को विश्व के कोने-कोने तक पहुंचाया। रोहित साहू, विधायक, राजिम

श्रद्धा और सम्मान के साथ संरक्षित है जन्मस्थान



महर्षि महेश योगी जी का जन्मस्थान आज भी पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ संरक्षित रखा गया है। छत्तीसगढ़ के राजिम क्षेत्र के पांडुका ग्राम में स्थित यह स्थान उनकी स्मृतियों का जीवंत प्रतीक माना जाता है। यहां आने वाले श्रद्धालु और अनुयायी महर्षि जी के जीवन, से प्रेरणा हासिल करते हैं। -अरुण श्रीवास्तव, प्रमोर्, महर्षि महेश योगी आश्रम, पांडुका

भावातीत ध्यान की दी नई ऊंचाई



उन्होंने मानव जीवन में मानसिक शांति, आत्मिक उन्नति और चेतना के विकास के लिए भावातीत ध्यान (ट्रांससेंटल मेडिटेशन) को विशेष महत्व दिया। महर्षि जी का मानना था कि नियमित ध्यान के माध्यम से व्यक्ति तनावमुक्त होकर अपने भीतर की असीम संभावनाओं को जागृत कर सकता है। -सुनील कुमार श्रीवास्तव, व्यवस्थापक, महर्षि स्मारक, प्रयागराज

भावातीत ध्यान से तनावमुक्त और संतुलित जीवन का संदेश



महर्षि महेश योगी जी ने भावातीत ध्यान के माध्यम से तनावमुक्त और संतुलित जीवन का संदेश दिया। उनका मानना था कि नियमित ध्यान से मन गहरे विश्राम की अवस्था में पहुंचता है, जिससे तनाव कम होता है, मानसिक शांति बढ़ती है और व्यक्ति अपनी आंतरिक क्षमता का बेहतर विकास कर सकता है। -अदिति श्रीवास्तव, ध्यानातीत ध्यान प्रशिक्षिका,